● वर्ष : 05 ● अंक : 20

● गाजियाबाद, बुधवार 13 मई 2026

● पृष्ठ–6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No.: UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

आप प्रसन्न है या नहीं यह सोचने के लिए फुरसत होना ही दुखी होने का रहस्य है, और इसका उपाय है व्यवसाय।

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नीट परीक्षा रद्द, 23 लाख छात्र दोबारा देंगे एग्जाम

सीबीआई करेगी पेपर लीक की जांच, जल्द होगा नई तारीखों का ऐलान

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी 2026 (नीट-यूजी) की परीक्षा रद्द करने की घोषणा की है। एनटीए की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान में बताया गया कि एजेंसी ने केन्द्र सरकार की मंजूरी से तीन मई को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को रद्द करने और इसे फिर से आयोजित करने का निर्णय लिया है। परीक्षा की नई तारीखें अलग से अधिसूचित की जाएंगी। परीक्षा में हुई अनियमितता की खबरों के बाद एजेंसी ने आठ मई को इस मामले को स्वतंत्र जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा था। केंद्रीय एजेंसियों की जांच के आधार पर प्राप्त इनपुट के बाद एनटीए ने परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार ने इस मामले में लगे आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का भी निर्णय लिया है। एनटीए ने कहा है कि वह जांच में सीबीआई को पूरा सहयोग देगी और सभी जरूरी रिकॉर्ड एवं सहायता उपलब्ध कराएगी। एजेंसी ने स्वीकार किया है कि परीक्षा दोबारा कराने से उम्मीदवारों और उनके परिवारों को काफी असुविधा होगी, लेकिन छात्रों के हित और परीक्षा प्रणाली पर जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए यह कड़वा फैसला लेना जरूरी था। राहत की बात यह है कि दोबारा होने वाली परीक्षा के लिए छात्रों को फिर से पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी। मई 2026 चक्र का पुराना डेटा और परीक्षा केंद्र ही मान्य रहेंगे। इसके साथ ही, छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। एनटीए ने यह भी घोषणा की है कि छात्रों द्वारा पहले जमा किया गया शुल्क वापस कर दिया जाएगा और नयी परीक्षा का खर्च एजेंसी अपने आंतरिक संसाधनों से उठाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

नीट 2026 परीक्षा रद्द होने पर राहुल ने की केंद्र सरकार की आलोचना

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द किए जाने पर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की और कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत पर सरकार ने पानी फेर दिया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, किसी पिता ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज.लिया, किसी मां ने गहने बेचे और लाखों छात्रों ने रात–रात भर जागकर तैयारी की, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार मिला। यह सिर्फ नाकामी नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र इसका खामियाजा भुगतते हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द होने से लाखों छात्रों को दोबारा मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि अगर छात्रों की तकदीर मेहनत से नहीं बल्कि पैसे और पहुंच से तय होगी, तो शिक्षा व्यवस्था का क्या मतलब रह जाएगा। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृतकाल देश के लिए विषकाल बन गया है।

सीबीआई करेगी मामले की जांच

केंद्र सरकार ने पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। जांच एजेंसी यह पता लगाएगी कि कथित 'गेस पेपर' परीक्षा से पहले कैसे फैला और क्या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय था। एनटीए ने कहा है कि वह जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देगी और सभी रिकॉर्ड, डेटा और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराएगी।

एनटीए ने री-एग्जाम को लेकर क्या कहा?

एनटीए ने पुष्टि की है कि नीट यूजी 2026 परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नई परीक्षा तिथि जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। एजेंसी ने माना कि परीक्षा रद्द होने से छात्रों और परिवारों को असुविधा होगी, लेकिन समझौता की गई परीक्षा को जारी रखना शिक्षा व्यवस्था पर लोगों के भरोसे को और अधिक नुकसान पहुंचा सकता था।

एनटीए ने जारी की हेल्पलाइन

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद इस परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए हेल्पलाइन नंबर 011–40759000 / 011–69227700 और ईमेल आईडी– neet-ug@nta.ac.in जारी की है। छात्र अपनी परेशानी और सवालों को सीधे एजेंसी तक पहुंचा सकते हैं और उनका समाधान पा सकते हैं।

छात्रों को दोबारा आवेदन नहीं करना होगा

एनटीए ने छात्रों को राहत देते हुए कहा है कि री–एग्जाम के लिए नया आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी और पुरानी रजिस्ट्रेशन डिटेल्स मान्य रहेंगी। इसके अलावा पहले से चुने गए परीक्षा केंद्र वैध रहेंगे और कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। छात्रों द्वारा जमा की गई फीस वापस की जाएगी और नई एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर फिर उठे सवाल

नीट देश की सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक है। ऐसे में किसी भी प्रकार का पेपर लीक लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित करता है। पिछले कुछ वर्षों में कई प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के मामले सामने आए हैं। नीट यूजी 2026 रद्द होने के बाद एक बार फिर परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सरकार द्वारा परीक्षा रद्द करने और उइक जांच के आदेश को शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा में उदयनिधि स्टालिन के विवादित बोल, कहा- सनातन धर्म को खत्म करना ही होगा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता और डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा में सनातनवाद विरोधी माहौल को फिर से जीवंत कर दिया। उन्होंने इसके उन्मूलन की मांग को भी दोहराया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सनातनवाद, जिसने लोगों को विभाजित किया, उसे समाप्त किया जाना चाहिए। उदयनिधि ने आगे कहा कि कल मुख्यमंत्री को हमारे नेता और कई अन्य नेताओं से शुभकामनाएं मिलीं। यह राजनीतिक शिष्टाचार इस सदन में भी जारी रहना चाहिए। भले ही हम सत्ताधारी और विपक्ष के रूप में अलग-अलग पंक्तियों में बैठे हों, हम सभी को तमिलनाडु के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उदयनिधि ने कहा कि विपक्षी दलों ने वंदे मातरम के बाद तमिलनाडु राज्य गीत बजाए जाने पर चिंता व्यक्त की है। लेकिन पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम नहीं बजाया गया था। जबकि यहां इसे बजाया गया। आप सभी जानते हैं कि वहां राज्यपाल कौन हैं। सरकार को इसे दोबारा होने नहीं देना चाहिए। हमारे तमिलनाडु राज्य गीत को कभी भी दूसरे स्थान पर नहीं धकेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मैंने एक ही कॉलेज में पढ़ाई की है। हम अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करना चाहेंगे। मुख्यमंत्री को हमारे सुझावों को भी स्वीकार करना चाहिए। डीएमके की व्यापक प्रशासनिक विरासत का हवाला देते हुए, उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से शासन संबंधी मामलों पर डीएमके की सलाह पर विचार करने का आग्रह किया। तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक जेसीडी प्रभाकर को मंगलवार को सर्वसम्मति से राज्य विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के लिए सदन की बैठक बुलाई गई, जिसमें कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष एम.वी. करुपैया ने कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय द्वारा प्रभाकर के नाम का प्रस्ताव रखा गया था और एकमात्र नामांकन प्राप्त होने पर उन्हें सर्वसम्मति से और निर्विरोध चुना गया है। करुपैया ने इस चुनाव के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के समाप्त होने की घोषणा की। उन्होंने सदन के नेता के. ए. सेंगोत्तैयान और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को सदन की परंपरा के अनुसार नव निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष को उनकी कुर्सी तक ले जाने के लिए आमंत्रित किया।

पश्चिम एशिया संकट पर शरद पवार की पीएम मोदी को सलाह, तुरंत बुलाएं सर्वदलीय बैठक

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के सुप्रीमो शरद पवार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जताई जा रही चिंताओं के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक बुलाने और आर्थिक विशेषज्ञों से परामर्श करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में पवार ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में की गई घोषणाओं के दूरगामी आर्थिक परिणाम हो सकते हैं और इनसे नागरिकों, व्यवसायों और निवेशकों में बेचैनी पैदा हो गई है। पवार ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और युद्ध जैसी स्थिति के मद्देनजर, दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ घोषणाएं कीं। इनका देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन घोषणाओं की अचानक प्रकृति ने आम नागरिकों, उद्योग-व्यापार क्षेत्र और निवेशकों के बीच बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। एनसीपी प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से सभी दलों के नेताओं से परामर्श करने और उन्हें विश्वास में लेने का आग्रह किया। पवार ने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मामलों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी दलों के नेताओं को शामिल करना देश के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि केंद्र को भी स्थिति का व्यापक आकलन करने के लिए तुरंत अर्थशास्त्रियों से परामर्श करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देनी चाहिए।

हिमंता ने ली असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हिमंता बिस्वा सरमा को मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलायी गयी। उनके साथ चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथी। इसके साथ ही श्री सरमा दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 126 सीटों के साथ दो तिहाई से भी अधिक बहुमत हासिल किया है। श्री सरमा को यहां राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज पूर्वाह्न पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। उनके अलावा श्री रामेश्वर तेली, श्री अतुल बोरा, श्री चरण बोरो और श्रीमती अजंता नियोग को मंत्रिपद की शपथ दिलायी गयी। श्री अतुल बोरा भाजपा के सहयोगी दल असम गणपरिषद से तथा श्री चरण बोरो बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा कई अन्य केन्द्रीय मंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन मौजूद थे। भाजपा और उसके गठबंधन के शासन वालों राज्यों के मुख्यमंत्री तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विभिन्न दलों के नेता भी इस मौके पर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी ने नागरिकों से प्रधानमंत्री के आह्वान का पालन करने की अपील की

नेता और अधिकारियों के काफिले होंगे आधे, वर्क फ्रॉम होम पर करने का निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रधानमंत्री के आह्वान का पालन करने की अपील की है। उन्होंने ईंधन खपत कम करने और ऊर्जा-बचत की आदतें अपनाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अनावश्यक सोने की खरीद से बचने का भी आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों के काफिले में वाहनों की संख्या में 50 फीसदी कमी का निर्देश दिया। साथ ही प्रदेश में वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को भी प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने पीएनजी, मेट्रो, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों आदि के उपयोग पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री जी का सरकारी बैठकों, सेमिनारों, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप आदि के वर्चुअली आयोजन पर जोर रहा।

मुख्यमंत्री ने वैश्विक हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री के आह्वान से प्रदेशवासियों को जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुनिया में उथल-पुथल है, ऐसे में सभी को सावधानी बरतनी होगी।

प्रधानमंत्री के आह्वान का पालन करने के लिए राज्यों को तैयार रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि सप्ताह में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें।

सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डे आयोजित किया जाए। इस अभियान से सरकारी कर्मचारियों, स्कूलों-कॉलेजों के विद्यार्थियों समेत समाज के विभिन्न वर्गों को भी जोड़ें। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक परिवहन, साइक्लिंग, कार पूलिंग, ईवी के प्रयोग पर जोर दिया। कहा कि जिन शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है, वहां लोग इसका अधिकतम प्रयोग करें। अधिक मांग वाले मार्गों पर बस समेत पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाओं को बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से विद्युत बचाने की भी अपील की। साथ ही कहा कि सरकारी भवनों, घरों, निजी प्रतिष्ठानों आदि में अनावश्यक बिजली का प्रयोग न हो। निजी प्रतिष्ठानों/व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स आदि में रात 10 बजे के बाद सजावटी लाइटों का न्यूनतम प्रयोग हो। सार्वजनिक साइकिलिंग शेयरिंग योजना को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अगले छह माह तक गैर आवश्यक विदेशी यात्राएं न करें।

तमिलनाडु में मंदिर-स्कूलों के पास अब नहीं बिकेगी शराब

सीएम विजय का 717 TASMAC दुकानों पर बड़ा फैसला

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने राज्य भर में मंदिरों, स्कूलों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में स्थित 717 सरकारी शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (TASMAC) द्वारा संचालित इन दुकानों को दो सप्ताह के भीतर बंद करना होगा। यह आदेश सुपरस्टार अभिनेता और सत्तारूढ़ तमिलगा वेट्री कजगम टीवीके) के नेता का पहला आदेश है, जिसने पिछले महीने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की थी। लेकिन विजय और टीवीके - जिसने राज्य की 234 सीटों में से 108 सीटें जीतीं (विजय के दो में से एक सीट से इस्तीफा देने के बाद 107 सीटें) - को बहुमत से 10 सीटें कम होने के कारण सरकार बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा। इसके चलते एक सप्ताह तक राजनीतिक खींचतान चली, जो कांग्रेस, दो वामपंथी दलों और एक छोटे तमिल दल, विदुथलाई चिरुथाइगल कत्ची के समर्थन से बहुमत सुनिश्चित होने के साथ समाप्त हुई। इसमें कहा गया है कि आम जनता के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने आदेश जारी किया है कि पूजा स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में स्थित 717 खुदरा शराब की दुकानें दो सप्ताह के भीतर बंद कर दी जाएं। सरकार ने बताया कि वर्तमान में TASMAC राज्य में 4,765 शराब की दुकानें संचालित करता है, जिनमें से 276 पूजा स्थलों के पास, 186 शैक्षणिक संस्थानों के पास और 255 बस स्टैंडों के पास स्थित हैं।

राज्य के राजस्व का एक बड़ा हिस्सा ळअरटअउ की शराब बिक्री से आता है, इसके बावजूद बंद करने का आदेश सभी दलों की मिलीभगत को दशार्ता है। उदाहरण के लिए, 2025 में कुल राजस्व 48,000 करोड़ रुपये से अधिक था। और यह विजय के 'नशा मुक्त' तमिलनाडु के वादे की दिशा में पहला कदम है। अप्रैल में होने वाले चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की नजर TASMAC दुकानों पर थी। पिछले साल, निगम और उससे जुड़ी संस्थाओं द्वारा कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में राज्य भर में कई प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई थी।

विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही पर सख्त हुई विधान परिषद् समिति

सभापति श्रीमती वन्दना वर्मा ने दिए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की विधायी समाधिकार समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक सभापति वन्दना वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हापुड़, गौतमबुद्ध नगर एवं गाजियाबाद जनपदों में संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। विकास भवन परिसर में आगमन पर सभापति श्रीमती वन्दना वर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद आयोजित बैठक में अधिकारियों द्वारा समिति सदस्यों का पुष्पगुच्छ, पौधा, प्रतीक चिन्ह एवं पटका पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में डॉ. प्रज्ञा

त्रिपाठी, श्री दिनेश कुमार गोयल, लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी सहित समिति से जुड़े अधिकारी एवं प्रशासनिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समिति ने तीनों जनपदों के जिलास्तरीय अधिकारियों से विभिन्न विभागीय समितियों में विधान परिषद् सदस्यों की नामांकन स्थिति, उनकी सहभागिता तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए पत्रों के निस्तारण की जानकारी ली। गृह विभाग से जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई सुरक्षा व्यवस्था का भी विवरण प्रस्तुत किया गया। समिति ने ग्राम्य विकास, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, पंचायती राज, जिला पंचायत, पर्यटन, ऊर्जा, नियोजन, गृह, गन्ना, उद्यान, महिला कल्याण, श्रम विभाग, बेसिक शिक्षा तथा नगर निगम समेत अनेक विभागों द्वारा वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के दौरान किए गए विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान विधायक एवं विधान परिषद् सदस्य निधि के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों, उनकी स्वीकृति, प्रगति तथा क्रियान्वयन की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा हुई। सभापति श्रीमती वन्दना वर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति की पूरी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी योजना के क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधि के सहयोग या उपस्थिति की आवश्यकता हो तो उनसे समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्वीकृत विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। साथ ही कार्यों की प्रगति की जानकारी समय-समय पर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही बनी रहे। सभापति ने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रमों और लाभार्थी वितरण कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा योजनाओं से जुड़े शिलापट्टों पर उनके नाम अंकित कराए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं के प्रति जागरूक हो सकें। बैठक के दौरान विकास कार्यों की गति बढ़ाने, विभागवार निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने तथा अनुपालन रिपोर्ट समिति को उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। सभापति ने बैठक को सफल बताते हुए कहा कि अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत जानकारी संतोषजनक रही और भविष्य में भी पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने समिति को आश्वस्त किया कि सभापति एवं समिति द्वारा दिए गए सभी निदेर्शों का पूर्ण पालन किया जाएगा तथा समयबद्ध अनुपालन आख्या समिति को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बैठक को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए समिति सदस्यों एवं अधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया। बैठक में हापुड़, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा जनपदों में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल (बालक) एवं सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल (बालिका) बने चैम्पियन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा आयोजित अंडर-17 जिला बास्केटबॉल चैम्पियनशिप 2026 का सफल समापन 8 मई 2026 को जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल, इंदिरापुरम एवं सेंट टेरेसा स्कूल में हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 4 मई से 8 मई 2026 तक किया गया, जिसमें जिले की विभिन्न विद्यालयी टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चैम्पियनशिप में कुल 28 टीमों ने हिस्सा लिया तथा पूरे टूनार्मेंट में 48 रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना

का परिचय दिया। फाइनल मुकाबलों में बालक वर्ग में नेहरू वर्ल्ड स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डीपीएस गाजियाबाद को 40-25 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं बालिका वर्ग में सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल ने डीपीएसजी वसुंधरा को 61-13 के बड़े अंतर से हराकर चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया। समापन समारोह में जेकेजी ग्रुप के चेयरमैन श्री जे. के. गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन गाजियाबाद ने इस आयोजन को सफल बनाने में सीताराम फाउंडेशन की सुश्री चेतना मित्तल, डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष श्री करुण गौड़, सचिव श्री नीरज शर्मा एवं जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल, इंदिरापुरम के निदेशक श्री वरुण गौड़ के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता ने युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान किया तथा जिले में बास्केटबॉल के विकास को नई दिशा दी।

स्व-गणना हेतु प्रेरित एवं जनगणना-2027 कार्यक्रम के तहत स्व-गणना हेतु निर्देश जारी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। अधिशासी अधिकारी/चार्ज अधिकारी, जनगणना नगर पालिका परिषद लोनी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया कि देश में जनगणना-2027 कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण- मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य चल रहा है।

इस प्रकिया में दिनांक 22 मई से 20 जून 2026 तक सभी क्षेत्रों में प्रगणक घर-घर जाकर भारत सरकार द्वार अधिसूचित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करेगें। भारत सरकार द्वारा इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

इस कम में दिनांक 07.05.2026 से 21.05.2026 तक स्वप्रेरणा से स्व-गणना (Self Enumeration) का प्रावधान किया गया है, जिसमें निकाय क्षेत्रान्तर्गत विशेष जनजागरूकता एवं सहभागिता अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत अपने विभाग में हैल्पडेस्क स्थापित कर जन सामान्य को स्व-गणना हेतु प्रेरित करते हुये स्व-गणना करायी जानी है।

उक्त कार्य हेतु आप अपने-अपने विभाग में कार्यरत नगरीय क्षेत्र लोनी के अधीनस्थ समस्त कार्मिकों को स्व-गणना हेतु प्रेरित तथा उनसे स्व-गणना करायेगे साथ ही हैल्पडेस्क स्थापित कर कार्यालय में आने वाले जन सामान्य को स्व-गणना हेतु प्रेरित एवं जनगणना-2027 कार्यक्रम के तहत स्व-गणना हेतु सम्बन्धित कार्य का निष्पादन कराने का कष्ट करे एवं वांछित सूचना मय फोटोग्राफ्स प्रतिदिन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करे।

श्री ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय में मातृ दिवस पर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। श्री ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में ग्रीटिंग कार्ड व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय की छठी से दसवीं तक की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने आकर्षक पोस्टर तथा ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए जिनमें मातृत्व के प्रेम, त्याग और सम्मान को सुंदर ढंग से दशार्या गया था।छात्राओं ने अपनी माता जी के नाम को अंकित कर इस दिवस को रचनात्मक पहचान दिला दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम शर्मा ने छात्राओं की कला व रचनात्मकता की सराहना करते हुए सभी का उत्साहवर्धन कर प्रशस्ति पत्र

से सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निम्न छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 6 से 8 ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगितामें अमीना अबरूर, टीया, अक्षरा शर्मा, अनन्या शर्मा, अंशिका, रूही सोनी, आराध्या भारद्वाज, भूमि, तारिका, रिहांशी, मुबाशरो, माही, वृष्टि प्रवीण, शिफा, खांसा शरीफ, पोस्टर मेकिंग में यक्षिता, कीर्ति, चेष्टा, वीधिका, तनु सिंघल, प्रतिष्ठा, अंशिका गौतम, आरोही शर्मा, श्रेया, अलीजा अली आदि ने प्रतिभाग किया।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में समर स्कूल एंटरप्रेन्योरशिप कैंप शुरू

एआई, रोबोटिक्स और स्टार्टअप संस्कृति से रूबरू होंगे छात्र, 160 से अधिक विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

साहिबाबाद। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में दो सप्ताह के 'समर स्कूल एंटरप्रेन्योरशिप कैंप-2026' का भव्य शुभारंभ किया गया। यह कैंप संस्थान के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल, आईपीईसी-टीबीआई तथा आइडिया लैब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली छात्रों में नवाचार, डिजाइन थिंकिंग, तकनीकी जागरूकता और उद्यमिता कौशल विकसित करना है।

उद्घाटन समारोह में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों में प्लेटिनम वैली इंटरनेशनल स्कूल, सेंट जेवियर्स

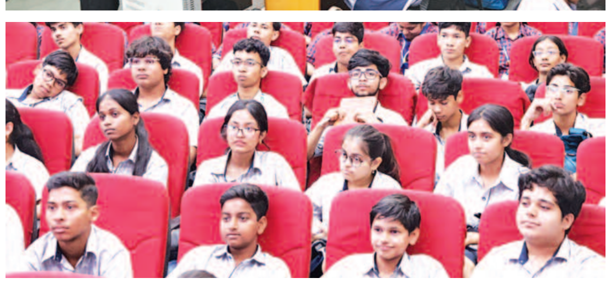

स्कूल, केंद्रीय विद्यालय हिंडन एवं अमरपाली ग्लोबल स्कूल के 160 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में स्टार्टअप संस्कृति, नई तकनीकों और रचनात्मक शिक्षा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) देवेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय टेक्नोलॉजी-ड्रिवन इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टम का युग है। ऐसे कैंप विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, वैज्ञानिक सोच और समस्या समाधान कौशल विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। आईपीईसी-टीबीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सजिद रजा ने बताया कि कैंप में छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, प्रोटोटाइप डेवलपमेंट, डिजाइन थिंकिंग और स्टार्टअप डेवलपमेंट जैसे विषयों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम समन्वयक शोभना शर्मा एवं सपना शर्मा ने कहा कि यह पहल छात्रों को तकनीकी नवाचार और युवा उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करेगी।

भाजपा नेता अजय शर्मा ने राजकुमार भाटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी के द्वारा एक सभा में ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश संयोजक श्री अजय शर्मा के द्वारा थाना कवि नगर गाजियाबाद में राजकुमार भाटी के खिलाफ रोष व्याप्त करते हुए। ब्राह्मण समाज के सम्मान में मैदान में उतर आये हैं। इस विषय पर श्री अजय शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज सर्वोपरि था, सर्वोपरि है और सर्वोपरि रहेगा, सनातन धर्म की रक्षा करने वाला एक ब्राह्मण ही है जो अपनी हिंदू संस्कृति को सुरक्षित रखे हुए हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई व्यक्ति ब्राह्मण समाज के विषय पर गलत ब्यानबाजी करेगा तो हम बिल्कुल भी बर्दाशत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं भी ब्राह्मण हूं और मेरा भी दायित्व बनता है कि मैं अपने समाज के सम्मान की रक्षा करने के लिए आगे आऊं। मैं राजकुमार भाटी के द्वारा की गई ब्राह्मण समाज की टिप्पणी की भर्त्सना करता हूं और राजकुमार भाटी के खिलाफ कठोर कानून कारवाई करने का काम करूंगा और मैं ब्राह्मण समाज के लिए हमेशा खड़ा हूं और खड़ा रहूंगा। समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी के द्वारा की गई ब्राह्मण समाज के खिलाफ गलत टिप्पणी के विषय पर भाजपा नेता अजय शर्मा ने तुरंत गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर को फोन किया और अपनी आपत्ति दर्ज करायी। पुलिस कमिश्नर ने तत्काल कवि नगर एस एच ओ को तुरंत कार्यवाही का आदेश दिया और समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश संयोजक अजय शर्मा के साथ पूर्व महानगर महामंत्री लेखराज माहौर एवं युवा नेता कुंजन पंडित भी उपस्थित रहे। श्री अजय शर्मा ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी जी की सरकार है और किसी भी व्यक्ति के द्वारा समाज में अराजकता फैलाने के लिए दिए गए गलत बयान के खिलाफ तुरंत कार्यवाही की जाएगी और इस प्रकार की बदतमीजी बर्दाशत नहीं होगी।

उत्तरांचल समाज के लोगों ने नगर आयुक्त से की मुलाकात, उत्तरांचल भवन के संचालन हेतु 16 मई को होगी बैठक

उत्तरांचल भवन सामाजिक समिति में सदस्यता हेतु अधिक से अधिक हों रजिस्ट्रेशन: नगर आयुक्त

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में निर्मित भव्य उत्तरांचल भवन के प्रभावी संचालन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में उत्तरांचल समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से मुलाकात कर भवन के संचालन, सदस्यता प्रक्रिया तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान उत्तरांचल भवन सामाजिक समिति को मजबूत और व्यापक स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया गया। नगर निगम द्वारा उत्तरांचल भवन के संचालन के लिए सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट-1860 के अंतर्गत पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इस समिति के माध्यम से भवन के संचालन, रखरखाव तथा सामाजिक गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाएगा। प्रबंधकारिणी समिति में नगर निगम अधिकारियों को नामित करते हुए प्रशासनिक ढांचा तैयार किया गया है, जबकि सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आम नागरिकों और उत्तरांचल समाज के लोगों को सदस्य बनने का आह्वान किया गया है। नगर आयुक्त ने कहा कि उत्तरांचल भवन केवल एक भवन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का केंद्र बनेगा। इसके सफल संचालन के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने उत्तरांचल समाज की विभिन्न संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में सदस्यता ग्रहण कर इस पहल को सफल बनाएं। उत्तरांचल भवन सामाजिक समिति की महासभा का आयोजन 16 मई 2026 को प्रातः 9:30 बजे उत्तरांचल भवन परिसर में

किया जाएगा। इस महासभा में समिति की आगामी कार्ययोजना, संचालन व्यवस्था और सदस्यता विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। नगर निगम प्रशासन ने सभी इच्छुक नागरिकों से समय पर कार्यक्रम में पहुंचने और सदस्यता पंजीकरण कराने का अनुरोध किया है। समिति की सदस्यता के लिए विभिन्न श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। आजीवन सदस्यता शुल्क 11 हजार रुपये, विशेष सदस्यता शुल्क 5100 रुपये तथा सामान्य सदस्यता शुल्क 2100 रुपये रखा गया है। अधिकारियों का मानना है कि अधिक सदस्य बनने से समिति मजबूत होगी और भवन का संचालन पारदर्शी तथा जनसहभागिता आधारित तरीके से किया जा सकेगा। गौरतलब है कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा निर्मित उत्तरांचल भवन को सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक और सामुदायिक आयोजनों के लिए विकसित किया गया है। सदस्यता प्रक्रिया पूरी होने और समिति के सशक्त गठन के बाद भवन की बुकिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए नगर निगम द्वारा नियम, शर्तें और शुल्क संरचना निर्धारित की जा चुकी है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जाए तथा उत्तरांचल समाज की संस्थाओं से लगातार संवाद बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि समाज की अपेक्षाओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए संचालन मॉडल तैयार किया जाएगा, ताकि भवन सभी नागरिकों के लिए उपयोगी और सुविधाजनक बन सके। बैठक के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों ने सदस्यता पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने तथा अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए सुझाव भी दिए। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को इन सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर भारतीय पर्वतीय महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने भी नगर आयुक्त से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में अभिनव सिंह भंडारी (राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य एवं मुख्य संयोजक, दिल्ली-एनसीआर), बालम सिंह बिष्ट, भुवन चंद पांडे, सतीश भारद्वाज, भगीरथ सिंह रावत, रोहित रावत सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने उत्तरांचल भवन के भव्य निर्माण और उसके संचालन को लेकर किए जा रहे प्रयासों के लिए गाजियाबाद नगर निगम का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उत्तरांचल भवन उत्तराखंड मूल के लोगों के साथ-साथ पूरे शहर के नागरिकों के लिए सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक एकता का मंच बनेगा। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक बैठकें, सामुदायिक आयोजन और पारंपरिक पर्वों का आयोजन किया जा सकेगा, जिससे शहर की सामाजिक विविधता को नई पहचान मिलेगी। नगर निगम प्रशासन का मानना है कि उत्तरांचल भवन का सफल संचालन तभी संभव है जब समाज स्वयं इसकी जिम्मेदारी साझा करे। इसी उद्देश्य से सदस्यता अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की तैयारी की जा रही है। आगामी 16 मई की महासभा को उत्तरांचल समाज के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होकर सदस्यता ग्रहण करेंगे और उत्तरांचल भवन को गाजियाबाद का एक प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र बनाने की दिशा में नई शुरूआत होगी

ब्राह्मण समाज पर की गयी आपत्तिजनक टिप्पणी पर बढ़ा विवाद, राजकुमार भाटी का हुआ विरोध

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। नेताओं के बिगड़े बोल एक बार फिर जिले में सुनने को मिले। ताजा मामला सपा के प्रवक्ता राजकुमार भाटी का हैं। राजकुमार भाटी का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं। वीडियो में वह ब्राह्मण समाज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करते दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में उनके द्वारा कथित रुप से कहा गया कि 'वेश्या भली हो सकती है लेकिन ब्राह्मण भला नहीं हो सकता। यह वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं। ब्राह्मण समाज के लोगों ने इसे समाज का अपमान बताते हुए कड़ी नाराजगी जाहिर की है। कई सामाजिक संगठनों

और यूजर्स ने राजकुमार भाटी से सार्वजनिक माफी की मांग की है, जबकि कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी नेतृत्व से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की अपील भी की है। इसी मामले को लेकर ब्राह्मण समाज की एक बैठक दादरी में हुयी। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भाग लिया और इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला बयान बताया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 15 मई को दादरी की भगवान परशुराम धर्मशाला में एक विशाल 'महापंचायत' आयोजित की जाएगी, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं सर्व समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। वरिष्ठ ब्राह्मण नेता पंडित पीताम्बर शर्मा ने कहा कि समाज को बांटने और एक वर्ग विशेष को अपमानित करने वाली राजनीति अब ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है। जो लोग समाजों के बीच जहर घोलने का काम कर रहे हैं, जनता उन्हें जवाब देने के लिए तैयार बैठी है। दादरी की धरती हमेशा सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की प्रतीक रही है, यहां किसी को भी वैमनस्यता फैलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजकुमार भाटी लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे समाज में नाराजगी बढ़ती जा रही है। जिससे सामाजिक ताना बाना बिगड़ सकता है। यह केवल एक समाज का विषय नहीं रह गया है। कहीं ना कहीं अन्य समाज भी उनके बयानों से खासे परेशान हैं। इसी कारण 15 मई की महापंचायत में सर्व समाज के लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। जो लोग समाज को आपस में लड़ाकर अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं, उन्हें दादरी की जनता लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देगी। समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले बयान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि महापंचायत सामाजिक एकता, सम्मान और सौहार्द के पक्ष में एक बड़ा संदेश देने का कार्य करेगी। इस बैठक में मास्टर परमानंद शर्मा, कपिल शर्मा एडवोकेट, सुधीर वत्स, संजय शर्मा, सोनू भगत, राजू पंडित, रिंकू पंडित, सचिन शर्मा, दीपक शर्मा आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सेक्टर-16, 17 व 18 में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की जिलाधिकारी से मांग

नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा ने सेक्टर-16, 17 व 18 की झुग्गी बस्तियों में नशे के अवैध कारोबार को लेकर जिलाधिकारी मेधा रूपम से शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सेक्टर-16, 17 एवं 18 की झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में खुलेआम गांजा, अवैध शराब, सट्टा तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। इन गतिविधियों के कारण क्षेत्र का सामाजिक वातावरण अत्यंत खराब होता जा रहा है और गरीब परिवारों, महिलाओं एवं बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। हमारी संस्था वर्षों से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए शिक्षा, भोजन और सामाजिक कल्याण के कार्य कर रही है। लेकिन इन अवैध कार्यों के कारण युवा पीढ़ी नशे और गलत रास्तों की ओर बढ़ रही है, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस संबंध में स्थानीय थाना

एवं चौकी स्तर पर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस एवं स्थायी कार्रवाई नहीं हो सकी है। लगातार शिकायतों के बावजूद अवैध गतिविधियाँ पहले की तरह जारी हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भय और निराशा का वातावरण बना हुआ है। उन्होंने मांग की कि तत्काल जांच करवाकर सेक्टर-16, 17 एवं 18 की झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में चल रही सभी अवैध गतिविधियों को बंद कराने तथा संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की कृपा करें।

श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा और अखंड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 105 स्थित श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर में इन दिनों भक्ति और आध्यात्म की अविरल धारा बह रही है। मंदिर परिसर में शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा और अखंड रामायण पाठ का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु भारी संख्या में उपस्थित रहे। आरडब्ल्यूए महासचिव राजीव दुबलिश ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर में शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पावन उपलक्ष्य में कल प्रातः काल भगवान की भव्य मंगल यात्रा निकाली जाएगी, जो पूरे क्षेत्र का भ्रमण करेगी। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा की अखंड रामायण के पाठ से पूरा वातावरण

भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर मानस की चौपाइयों और भक्ति रस का आनंद ले रहे हैं। वही आरडब्ल्यूए कोषाध्यक्ष करण मनोचा एवं उपाध्यक्ष रानी गौतम ने बताया शिव परिवार की सफलतापूर्वक स्थापना और प्राण-प्रतिष्ठा के पश्चात मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी भक्तों को प्रसाद ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

समय पर इलाज और सावधानी से बचेगी हंता वायरस से जान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। हंता वायरस को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। यदि किसी व्यक्ति को चूहों के संपर्क के बाद तेज बुखार और सांस संबंधी परेशानी हो तो तुरंत चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए। साफ-सफाई, जागरुकता और समय पर इलाज ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका माना जा रहा है। यह बातें फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉक्टर अंशुमाला सिन्हा जनरल फिजिशियन ने कहीं। उन्होंने बताया कि हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन बेहद खतरनाक वायरल संक्रमण है, जो मुख्य रूप से संक्रमित चूहों के संपर्क में आने से फैलता है। यह वायरस इंसानों में गंभीर फेफड़ों और किडनी संबंधी बीमारियां पैदा कर सकता है। बदलती जीवनशैली, गंदगी और चूहों की बढ़ती संख्या के कारण इस बीमारी को लेकर स्वास्थ्य एजेंसियां लगातार सतर्कता बरतने की सलाह दे रही हैं।

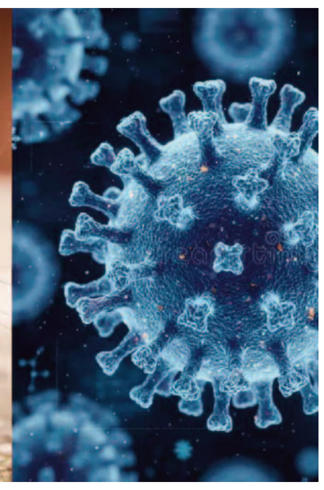

हंता वायरस कई प्रकार के वायरसों का समूह है, जो मुख्य रूप से जंगली चूहों में पाया जाता है। संक्रमित चूहों के मल, मूत्र और लार के सूक्ष्म कण हवा में मिलकर इंसानों तक पहुंचते हैं। इन्हें सांस के जरिए शरीर में लेने पर संक्रमण फैल सकता है। यह वायरस पहली बार 1950 के दशक में कोरिया के हंतान नदी क्षेत्र में पहचाना गया था, जिसके नाम पर इसका नाम हंता वायरस पड़ा। हंता वायरस संक्रमण के शुरूआती लक्षण सामान्य फ्लू जैसे होते हैं, जिनमें तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर और मांसपेशियों में दर्द, कमजोरी, ठंड लगना, उल्टी, मतली और पेट दर्द शामिल हैं। संक्रमण बढ़ने पर मरीज को सांस लेने में दिक्कत, सीने में जकड़न, खांसी और फेफड़ों में पानी भरने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। वहीं एचएफआरएस प्रकार में किडनी प्रभावित होने के कारण पेशाब कम होना, ब्लड प्रेशर गिरना और आंतरिक रक्तस्राव के लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। शुरूआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी माना जाता है। गंभीर स्थिति में मरीज के फेफड़ों में पानी भर सकता है और किडनी फेल होने का खतरा भी रहता है। फिलहाल हंता वायरस का कोई विशेष एंटीवायरल इलाज या वैक्सीन व्यापक स्तर पर उपलब्ध नहीं है। डॉक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार सहायक उपचार देते हैं। जिसमें ऑक्सीजन सपोर्ट, आईसीयू में निगरानी, तरल पदार्थों का संतुलन, सांस लेने में सहायता के गंभीर मामलों में वेंटिलेटर का उपयोग शामिल है। शुरूआती पहचान और तुरंत अस्पताल पहुंचना जान बचाने में अहम भूमिका निभाता है। विश्व स्वास्थ्य एजेंसियों के अनुसार मृत्यु दर लगभग 35 प्रतिशत तक दर्ज की गई। वहीं एशियाई देशों चीन और दक्षिण कोरिया में हर साल हजारों मामले सामने आते हैं। भारत में हंता वायरस के मामले बेहद कम दर्ज किए गए हैं, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि जागरूकता की कमी और जांच सुविधाओं के अभाव में कई मामले सामने नहीं आ पाते।

डीडीआरडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल ने प्राधिकरण अधिकारियों से की मुलाकात

नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। शहर के समस्याओं को लेकर डीडीआरडब्ल्यूए के एक प्रतिनिधिमंडल नें डीडीआरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनपी सिंह के नेतृत्व मे नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी कांति शेखर और सीनियर मैनेजर वर्क सर्कल-3 परवीन सालोनिया से मुलाकात कर सेक्टर-51 की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा समस्याएं उठाए जाने पर ओएसडी ने संबंधित अधिकारियों को फोन कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं परवीन सालोनिया ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि 15 मई को सेक्टर-51 का निरीक्षण किया जाएगा, जिसके दौरान क्षेत्र की अन्य समस्याओं का भी जायजा लेकर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में डीडीआरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, अरविंद शर्मा और इंद्रजीत सिंह सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

हलिया पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक वारंटी को मंगलवार की सुबह 9 बजे के करीब पुलिस द्वारा उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया हलिया थाना क्षेत्र के अहुगी कला गांव निवासी 56 वर्षीय राम बरन द्वारा पुर्व में किये गये विवाद में आरोपी था जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन था जिसके संबंध में न्यायालय द्वारा उपस्थित होने हेतु बार बार नोटिस दिए जाने के बावजूद भी हाजिर नहीं होने पर जारी वारंट के आधार पर उपनिरीक्षक चरण सिंह, हेड कांस्टेबल शैलेंद्र गुप्ता, कांस्टेबल लालचंद के द्वारा उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया उक्त गिरफ्तारी के संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष श्याम लाल ने बताया कि न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर वारंटी को को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

श्रीमद् भागवत कथा मे भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का हुआ वर्णन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। श्री राधावल्लभ मंदिर ग्राम झटटा सेक्टर 159 नोएडा में श्री श्री 1008 श्री किशोरी शरण जी महाराज बाबा सूरदास जी की कृपा से चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण के पंचम दिवस को श्रीमद्भागवत कथा का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा वाचक पंडित श्री राकेश शास्त्री जी ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का वर्णन सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से

मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं। वह अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं। जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देख भगवान श्री कृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत को नीचे बुला लेते हैं। जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं। जिसके बाद ब्रज में भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाने लगते हैं। मौके पर भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन का भंडारा स्वर्गीय सुजान बोहरे एवं रिंकू भाटी परिवार के द्वारा हुआ। अंत मे श्रीमद्भागवत भगवान की आरती हुई और प्रशाद वितरण हुआ। इस पावन भक्ति ज्ञान यज्ञ के महोत्सव पर सुखबीर, रोहताश चौहान, बाबूराम चौहान, दयाराम(एडवोकेट), जितेन्द्र चौहान(एडवोकेट), मनोज चौहान, बलबीर, सुंदर भाटी, जयवीर तंवर, उधम, महावीर बोहरा, हरिकिशन, बेगराज शर्मा, नीरज मास्टर, शेर सिंह चौहान, सुभाष चौहान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी मामले में रायपुर पुलिस की कार्रवाई, आरोपी के घर कुर्की की तैयारी

सोनभद्र (स्वास्तिक सहारा)। रायपुर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी मनोज चौबे के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर कुर्की की प्रक्रिया तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने देवरिया, बिहार और मध्य प्रदेश सहित कई जिलों के युवकों से नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की धनराशि वसूली थी। इस मामले को लेकर लंबे समय से जांच चल रही थी। पीड़ित युवकों द्वारा लगातार शिकायत किए जाने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। हालांकि आरोपी काफी समय से फरार चल रहा है और पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहा है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश एवं न्यायालय के आदेश के अनुपालन में रायपुर थाना पुलिस ने आरोपी के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा कर दी है। पुलिस ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि यदि आरोपी जल्द न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो उसके घर की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

भाकियू भानू की समीक्षा बैठक संपन्न, लिए गए कई अहम फैसले

गौतमबुद्ध नगर (स्वास्तिक सहारा)। भारतीय किसान यूनियन भानू की समीक्षा बैठक कनारसी गांव में जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता तिलक प्रधान पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष तथा संचालन मास्टर महकार नागर राष्ट्रीय प्रवक्ता ने किया। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजब सिंह कसाना ने बताया कि बहुत शीघ्र तीनों प्राधिकरण की मनमानी के खिलाफ बड़े आंदोलन की रुपरेखा तैयार की जा रही है। हो सकता है इस लड़ाई में दूसरे संगठन भी एक मंच पर इकट्ठे होकर कि लड़ाई को लड़े। राष्ट्रीय प्रवक्ता मास्टर महकार नागर ने संगठन को मजबूत करने व रणनीतिक तरीके से मुहिम में कामयाबी के मिशन पर आगे बढने तथा किसानों की लंबित समस्याओं के लिए संघर्ष पर अपने विचार रखें। साथ ही हरिद्वार में प्रत्येक वर्ष की भांति होने वाले चिंतन शिविर 13,14,15, जून को अधिक से अधिक संख्या में चलने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप तथा प्रदेश अध्यक्ष योगेश प्रताप के द्वारा प्रत्येक जिले में मुहिम चलकर संगठन को मजबूती दी जा रही है। किसानों की मांगों को लेकर दिल्ली कूच करने के लिए, मजबूत रणनीति बनाने के लिए समीक्षा बैठकें की जा रही हैं। राष्ट्रीय सलाहकार मंत्री ठाकुर अशोक ने कहा कि जो लोग संगठन के प्रति समर्पित नहीं है उनकी संगठन की सेवाएं बंद कर दी जाए। एनसीआर प्रमुख महासचिव सत्यवीर मुखिया ने बताया कि संगठन गौतम बुद्ध नगर में मजबूती से काम कर रहा हैं। हम सब लोग एक जुट होकर संगठन को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इस मौके पर विवेक रावल उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद रावल महासचिव युवा मोर्चा लोकेश शर्मा जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ ठाकुर बिखलेश जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भानु प्रकाश तहसील अध्यक्ष दादरी संदीप खारी तहसील अध्यक्ष जेवर लीलू नागर तहसील अध्यक्ष सदर संजय नागर प्रदेश महासचिव सुखबीर नागर जिला उपाध्यक्ष मुन्नू भाटी मंडल उपाध्यक्ष सहित सैकड़ो कार्यकर्ता अपनी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

धर्म की रक्षा करने के लिए प्रभु लेते हैं अवतार: संजय जी महाराज

नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। सेक्टर 119 के सफाबाद में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस के व्याख्यान में अंतरराष्ट्रीय कथाकार संजय जी महाराज जी ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जब पृथ्वी पर असुरों का अत्याचार बढ़ता है तो प्रभु किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की रक्षा करते हैं। इस दौरान जब श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा संपन्न हुई तो पूरा पांडाल श्री कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान वृंदावन से पधारे हाऊ–बिलाऊ बिहारी दास जी महाराज के भजनों से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। कथा के मुख्य यजमान डॉ दिनेश यादव एवं जिले यादव ने व्यास पीठ की पूजा–अर्चना की। साथ ही वृंदावन से पधारे कुंज बिहारी दास जी महाराज जी ने अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन आजमगढ़ से आए उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एंकर अभय तिवारी ने किया एवं अपने अंदाज से श्रोताओं को बांध दिया। इस अवसर पर अक्षय त्यागी, अजीत सिंह, राकेश सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लक्ष्य एक उड़ान फाउंडेशन ने मनाया मदर्स डे, माताओं को तुलसी के पौधे किए गए भेंट

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। मदर्स डे के अवसर पर लक्ष्य एक उड़ान फाउंडेशन द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें माताओं के सम्मान में उन्हें तुलसी के पौधे भेंट किए गए। इस पहल का उद्देश्य मातृ शक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना भी रहा। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन की अध्यक्ष सुषमा गंगवार ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामना देते हुए कहा कि मां का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है। मां अपने स्नेह, त्याग और संस्कारों से परिवार और समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तुलसी के पौधे भेंट करते हुए संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि तुलसी भारतीय संस्कृति में पवित्रता, स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इसलिए मदर्स डे के अवसर

पर यह उपहार माताओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का संदेश देता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने इस अनूठी पहल की सराहना की और फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। सभी मातृशक्ति निशा गुप्ता, अनुराधा वर्मा, ईवा टंडन, ज्योति सारा, कविता पालीवाल, रमनी श्याम, रूबी केसरवानी, हेमा कत्यूरा, सोनिया त्यागी, दीप्ति तिवारी, अंजू हिमानी, रूपम वालिया, रोली भदोरिया, हेमा सिंह, सरिता गोयल, सोमा श्रीवास्तव, शशि, पूजा, प्रीति प्रियंका, बबली, कंचन, श्वेता, पिंकी, प्रियंका, निशि, दिव्या, लक्की, रेनुका, गीता, काजल, गायत्री, सोनी आदि मातृशक्ति उपस्थित रही।

सम्पादकीय

पीएम की अपील

देश के मौजूदा हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अपील ने यह संकेत दे दिया है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां तेजी से गंभीर होती जा रही हैं। उन्होंने देशवासियों से जिस प्रकार संयम, बचत और सतर्कता की अपील की है, उससे यह साफ है कि मौजूदा संकट सामान्य परिस्थितियों से कहीं आगे बढ़ चुका है। दरअसल, ईरान–अमेरिका वार के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजार और आर्थिक व्यवस्थाओं पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जिसका असर भारत जैसे आयात–निर्भर देशों पर भी दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में लोगों से कई व्यावहारिक सुझावों का पालन करने को कहा है। उन्होंने कारपूलिंग अपनाने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने और जहां मेट्रो उपलब्ध हो वहां मेट्रो से यात्रा करने की सलाह दी है। साथ ही अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को भी बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि संस्थान और कंपनियां संभव हो तो 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाएं और बैठकों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग करें। अनावश्यक यात्राओं से बचने, विदेशी पर्यटन को कुछ समय के लिए टालने और बड़े समारोहों को सीमित रखने की अपील भी की गई है। प्रधानमंत्री की यह अपील काफी हद तक उस दौर की याद दिलाती है जब कोविड–19 महामारी के दौरान देशवासियों से संयम और सहयोग की अपेक्षा की गई थी। फर्क केवल इतना है कि इस बार संकट स्वास्थ्य का नहीं बल्कि ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था का है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल रहा है। कई विकसित देशों में भी ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि ब्रिटेन को डीजल की कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं और गैस के उपयोग पर भी नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने ऊर्जा बचाने के लिए कई प्रशासनिक कदम उठाए हैं, जिनमें छोटी अवधि का स्नान, सप्ताहांत में ही वाशिंग मशीन चलाना और सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट का सीमित उपयोग शामिल है। यूरोप के कई देशों—जैसे फ्रांस, स्पेन और इटली—को भी पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम बढ़ाने पड़े हैं। भारत की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश में कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार नहीं हैं और ऊर्जा की जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात करना पड़ता है। युद्ध और वैश्विक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे भारतीय तेल कंपनियों पर भारी आर्थिक दबाव पड़ रहा है। सरकार द्वारा पहले घटाए गए टैक्स के कारण राजस्व पर भी असर पड़ा है।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।
कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर करें। धार्मिक अनुष्ठान पूजा–पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

मिथुन: का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, हा।
कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान–सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।
किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।
घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।
धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।
प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान–सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।
दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
RNI No. : UPHIN/2022/84480
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001 Phone : 0120-4252839

क्रूज शिप में महामारी : कोरोना से शुरू होकर हंता और नोरो वायरस तक

दुनिया के अनेक देशों में इस समय छुट्टियों का माहौल चल रहा है। भारत और एशिया के कुछ देशों में जहां अत्यधिक गर्मी के कारण अवकाश का माहौल है, वहीं कुछ स्थानों पर अत्यधिक ठंड के कारण छुट्टियां हैं। इन सबके बीच लाखों लोग पर्यटन के लिए निकल पड़े हैं। इसी पर्यटन के बीच एक भयावह समाचार सामने आया है। पिछले कुछ समय से लोग क्रूज वेकेशन पर जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। भारत में भी यह चलन बढ़ने लगा है। क्रूज वेकेशन के इस बढ़ते क्रेज के बीच एक ऐसी खबर आई है, जिसने दुनिया को फिर चिंता में डाल दिया है। साफ-सुथरे, सुरक्षित, समयबद्ध और शानदार दिखने वाले ये क्रूज शिप धीरे-धीरे बीमारियों के घर बनते जा रहे हैं। वे दुनिया भर में महामारियों के केंद्र बन रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार महामारी की श्रेणी में रखी जा सकने वाली बीमारियों के फैलाव के लिए ये क्रूज शिप अत्यंत संवेदनशील स्थान बनते जा रहे हैं। पिछले सप्ताह ही दो बड़े क्रूज पर दो अलग-अलग वायरसों का हमला हुआ और कई लोग उसका शिकार बने। एक मामले में एमवी होंडियस जहाज पर घातक हंता वायरस फैला था, जबकि दूसरी ओर कैरेबियन प्रिंसेस नामक क्रूज पर नोरो वायरस का हमला हुआ था। विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना महामारी के बाद लोगों में क्रूज यात्रा का आकर्षण बढ़ा है, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि कोरोना महामारी के समय भी कुछ क्रूज में वायरस फैला था और हजारों लोगों की मौत हुई थी, जिसकी पूरी जानकारी शायद आज भी दुनिया के पास नहीं है। कोई भी देश कोरोना संक्रमित क्रूज को अपने तट पर आने नहीं दे रहा था और स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी।

ठीक वैसी ही स्थिति अब फिर खड़ी हो रही है। खास बात यह है कि लोग क्रूज में बैठकर अंटार्कटिका और अन्य दूरस्थ ध्रुवीय क्षेत्रों की यात्रा करना पसंद करते हैं। इस महंगी यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और साथ ही उनके स्वास्थ्य का जोखिम भी बढ़ रहा है। चिंताजनक बात यह है कि अब तक क्रूज पर ई-कोलाई रोग, लीजियोनेयर्स रोग जैसे संक्रमण देखे जाते थे। उसके बाद कुछ वर्ष पहले कोरोना महामारी फैली। फिर भी लोग इस ओर अधिक आकर्षित होने लगे। अब स्थिति ऐसी हो गई है कि नोरो वायरस फैल चुका है और उसके साथ हंता वायरस की भी एंट्री हो चुकी है। करोड़ों रुपए खर्च करके जाने वाले लोग गंभीर बीमारियों का शिकार बन रहे हैं और उन्हें उसकी गंभीरता का अहसास तक नहीं है। कोरोना में भी अनेक लोगों की संक्रमण फैलने के कारण मृत्यु हुई थी और वर्तमान में हंता वायरस के कारण भी कुछ मौतें हुई हैं तथा अनेक लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इन परिस्थितियों में यदि इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो भविष्य में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है। उल्लेखनीय है कि डच संचालन वाले एमवी होंडियस क्रूज पर हंता वायरस का सबसे बड़ा असर देखने को मिला है। उसके कारण अनेक यात्री गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं और कुछ की तो मृत्यु भी हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार यह घटना इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि इसमें

एंडीज वायरस के स्ट्रेन भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह हंता वायरस का एक दुर्लभ स्वरूप माना जा सकता है। पहले यह जानवरों से मनुष्यों में फैला और उसके बाद मनुष्यों से मनुष्यों में फैलने लगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि यह वायरस क्लस्टर के रूप में फैला है और उससे जुड़े सभी मामलों की जांच की जा रही है। दूसरी मई को पहली बार इस वायरस के फैलने की खबर सामने आई थी। उस समय जहाज पर 147 यात्री और क्रू सदस्य मौजूद थे। उनमें से 34 यात्री जहाज से उतर चुके थे। वर्तमान में सभी संक्रमित लोग दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड और स्विट्जरलैंड में उपचार ले रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि ये यात्री जहाज पर आने से पहले ही इस वायरस से संक्रमित हो चुके थे। खास बात यह है कि एमवी होंडियस की इस घटना ने एक बार फिर अंटार्कटिका पर्यटन पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। एक्सपीडिशन और टूरिंग के लिए ले जाई जाने वाली यात्राओं में कितने जोखिम छिपे हैं, यह इस घटना ने साबित कर दिया है। वर्तमान में क्रूज टूरिज्म का क्रेज बढ़ रहा है। अब अंटार्कटिका टूर कराने वाले आपरेटर्स की संख्या भी बढ़ रही है और वहां जाने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना से पहले 2015 में अंटार्कटिका जाने वाले यात्रियों की संख्या केवल 37,000 थी। लेकिन दस वर्ष बाद 2025 में 1,17,000 पर्यटक अंटार्कटिका गए थे। पिछले वर्ष भी 80,000 से अधिक लोग वहां पहुंचे थे। ये लोग जहाज से उतरकर बर्फ पर घूमने भी जाते हैं। चिंताजनक बात यह है कि ऐसे दूरस्थ और एकांत क्षेत्रों में जाने वाले जहाजों पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होती। इसके अलावा वहां फैलने वाली बीमारियों और वायरसों के बारे में भी पर्याप्त जानकारी नहीं होती। इससे न केवल मनुष्य बीमार पड़ते हैं, बल्कि प्रकृति को भी नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। यदि वहां कोई गंभीर बीमारी फैल जाए तो लोगों को वहां से बचाकर लाना भी अत्यंत कठिन हो जाता है। अंटार्कटिका के आसपास दूर-दूर तक कोई बड़ा भूभाग या बड़ी अस्पताल सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहाज पर दवाइयां और डाक्टर भी सीमित संख्या में होते हैं। इसी कारण ऐसे क्षेत्रों की यात्रा एक बड़ा जोखिम और चुनौती बन गई है। सिर्फ हंता वायरस ही नहीं, नोरो वायरस भी उतना ही खतरनाक है। हंता वायरस घातक है, लेकिन इस बार क्रूज पर नोरो वायरस के कारण अधिक चिंता व्यक्त की गई थी। नोरो वायरस को 'क्रूज शिप वायरस' भी कहा जाता है। हाल ही में सीडीसी ने बताया था कि कैरेबियन प्रिंसेस जहाज पर 100 से अधिक लोग नोरो वायरस के शिकार बने थे। जहाज पर 102 यात्री और 13 क्रू सदस्य नोरो वायरस से संक्रमित हुए थे। अधिकांश मरीजों को भयंकर उल्टी और डायरिया जैसी समस्या हो गई थी। फ्लोरिडा से निकलकर यह जहाज बहामास जा रहा था, तभी यह समस्या सामने आई। जहाज संचालकों का कहना है कि जहाज को बारबार सैनिटाइज और साफ किया जाता है। यदि वास्तव में इतनी सफाई होती है तो यह वायरस बारबार क्यों फैल जाता है? मार्च महीने में भी स्टार प्रिंसेस जहाज पर 200 लोग इस वायरस की चपेट में आ गए थे। पिछले वर्ष अलग-अलग 18 जहाजों पर नोरो वायरस का हमला हुआ था, जिसमें 2200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए थे। विशेषज्ञों के अनुसार लक्जरी जहाजों की सफाई करना और उन्हें पूरी तरह सैनिटाइज करना लगभग असंभव है और लोग इस बात को न तो जानते हैं और न ही समझते हैं। क्रूज शिप अर्ध-बंद पारिस्थितिकी तंत्र जैसे होते हैं। बड़े जहाज छोटे गांव या शहर जैसे होते हैं, जिनमें 6000 से अधिक यात्री और 2000-2500 तक क्रू सदस्य होते हैं। वहां सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना मुश्किल होता है। लोग 24 घंटे एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। वे एक ही लिफ्ट, डाइनिंग हाल, थिएटर, कैसीनो और अन्य सुविधाओं का उपयोग करते हैं। यदि एक भी व्यक्ति संक्रमित हो जाए तो संक्रमण फैलने में देर नहीं लगती। कोरोना काल की बात करें तो 2020 में डायमंड प्रिंसेस जहाज के 4000 यात्रियों में से 700 लोग संक्रमित हो गए थे। उस समय जहाज में इतने लोगों को क्वारंटीन करना भी मुश्किल हो गया था। इसके अलावा जहाजों में वेंटिलेशन की भी सबसे बड़ी समस्या होती है, जिससे संक्रमण तेजी से फैलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि क्रूज शिप पर बीमारियों के फैलाव को रोकना या उनका पूरी तरह अंत कर देना लगभग असंभव है। इसका एक बड़ा कारण टर्नओवर टाइम भी है। क्रूज की एक यात्रा पूरी होने के बाद दूसरी यात्रा शुरू होने के बीच केवल 7 से 10 घंटे का समय होता है। इस दौरान हजारों यात्रियों का उतरना, जहाज की डीप क्लीनिंग होना और नए यात्रियों का चढ़ना, सब कुछ करना पड़ता है। इसलिए पूरी तरह डीप क्लीनिंग या सैनिटाइजेशन संभव ही नहीं हो पाता। यदि पहली यात्रा के दौरान वायरस फैल चुका हो तो इतने कम समय में उसे पूरी तरह समाप्त करना असंभव है। हजारों लोग एक ही रेलिंग और लॉबी क्षेत्र का उपयोग करते हुए आते-जाते हैं। इसके कारण वायरस का संक्रमण तेजी से फैलता है। जनवरी, 2026 में सेवन सीज मेरिनर पर भी ई-कोलाई के मामले सामने आए थे, जिसने यह उदाहरण प्रस्तुत किया था कि जहाजों पर संक्रमण कितनी तेजी से फैलता है और उसे पूरी तरह समाप्त करना कितना कठिन है।

ताजमहल विवाद: मिथक बनाम इतिहास

ताजमहल भारत की सांस्कृतिक धरोहर और विश्व की सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारतों में से एक है। मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की स्मृति में निर्मित यह अद्भुत स्मारक प्रेम, कला और स्थापत्य सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है। वर्ष 1632 से 1653 के बीच निर्मित यह संगमरमर का मकबरा आज विश्व के सात अजूबों में शामिल है। किंतु समय-समय पर इसकी उत्पत्ति और निर्माण को लेकर विवाद भी उठते रहे हैं। कुछ लोग इसे हिन्दू मंदिर या राजमहल बताते हैं और तथाकथित 'तेजो महालय' सिद्धांत को आधार बनाकर इसकी ऐतिहासिकता पर प्रश्न खड़े करते हैं। हाल के वर्षों में फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने इस बहस को फिर चर्चा में ला दिया है। ऐसे में आवश्यक है कि भावनाओं या अफवाहों के बजाय ऐतिहासिक तथ्यों, पुरातात्विक प्रमाणों और प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर इस विषय को समझा जाए।

ताजमहल आगरा में यमुना नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। समकालीन इतिहासकार अब्दुल हमीद लाहौरी ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'पादशाहनामा' में विस्तार से उल्लेख किया है कि मुमताज महल की मृत्यु के बाद शाहजहाँ ने उनकी स्मृति में इस मकबरे का निर्माण करवाया। इतिहासकारों के अनुसार लगभग 20 हजार कारीगरों और शिल्पकारों ने 22 वर्षों तक कार्य कर इस इमारत को पूरा किया। निर्माण में फारसी, तुर्क, भारतीय और मध्य एशियाई कारीगरों की भूमिका रही। मकराना (राजस्थान) का सफेद संगमरमर तथा विभिन्न प्रदेशों से लाए गए कीमती पत्थरों का उपयोग इसकी भव्यता को अद्वितीय बनाता है।

ताजमहल की वास्तुकला मुगल शैली का श्रेष्ठ उदाहरण मानी जाती है, जिसमें इस्लामी मेहराबों, फारसी गुंबदों और भारतीय स्थापत्य तत्वों का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। चारबाग शैली का उद्यान, चारों ओर खड़ी मीनारें, संगमरमर पर की गई नक्काशी और कुरान की आयतों की कलात्मक लिखावट इसे विश्वस्तरीय धरोहर बनाती है। यूनेस्को ने वर्ष 1983 में इसे विश्व धरोहर घोषित करते हुए 'मुगल स्थापत्य कला का सर्वोत्तम उदाहरण' कहा था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) भी इसे स्पष्ट रूप से मुगलकालीन मकबरा ही मानता है।

ताजमहल को लेकर विवादों की आधुनिक शुरूआत वर्ष 1989 में पुरुषोत्तम नागेश ओक की पुस्तक 'ताजमहल : द ट्रू स्टोरी' से मानी जाती है। ओक ने दावा किया कि ताजमहल वास्तव में 'तेजो महालय' नामक शिव मंदिर था, जिसे शाहजहाँ ने कब्जे में लेकर मकबरे में परिवर्तित कर दिया। उन्होंने अपने तर्कों में 'ताज' शब्द की संस्कृत व्युत्पत्ति, कुछ स्थापत्य विशेषताओं तथा बंद कमरों का

उल्लेख किया। किंतु इतिहासकारों और पुरातत्वविदों ने इन दावों को प्रमाणहीन बताया।

सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि किसी भी समकालीन हिन्दू ग्रंथ, शिलालेख, राजकीय दस्तावेज या ब्रिटिशकालीन सर्वेक्षण में 'तेजो महालय' नामक किसी मंदिर का उल्लेख नहीं मिलता। यदि वास्तव में इतनी विशाल संरचना पूर्व में मंदिर होती, तो उसके संदर्भ किसी न किसी ऐतिहासिक अभिलेख में अवश्य मिलते। न्यायालयों ने भी समय-समय पर इन दावों को खारिज किया है। वर्ष 2000, 2005 और 2017 में दायर याचिकाओं पर अदालतों ने कहा कि ऐसे दावे ऐतिहासिक तथ्यों से मेल नहीं खाते। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इन्हें ठोस प्रमाणों के अभाव में स्वीकार नहीं किया।

ताजमहल के तथाकथित '22 बंद कमरे' लंबे समय से जिज्ञासा और विवाद का विषय बने हुए हैं। ये कमरे ताजमहल के बेसमेंट क्षेत्र में स्थित हैं, जिन्हें सुरक्षा कारणों से लंबे समय से बंद रखा गया है। कुछ समूह दावा करते हैं कि इन कमरों में हिन्दू मूर्तियाँ, शिवलिंग या अन्य धार्मिक प्रमाण छिपाए गए हैं। हालांकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने स्पष्ट किया है कि ये कमरे इमारत की संरचनात्मक मजबूती के लिए बनाए गए सहायक कक्ष हैं। अधिक आर्द्रता, कार्बन डाइऑक्साइड तथा पर्यटकीय गतिविधियों से संगमरमर को नुकसान पहुँचने की आशंका के कारण इन्हें आम लोगों के लिए बंद रखा गया।

पुरातत्वविद् के.के. मोहम्मद सहित कई विशेषज्ञ इन कमरों का निरीक्षण कर चुके हैं। उनके अनुसार अंदर सामान्य दीवारें, मेहराबें और क्षतिग्रस्त प्लास्टर के अतिरिक्त कुछ भी असाधारण नहीं है। वर्ष 2022 में सार्वजनिक हुई तस्वीरों में भी इन कमरों में कोई धार्मिक प्रतीक या मूर्ति दिखाई नहीं दी। इससे यह स्पष्ट होता है कि इन कमरों को लेकर फैलाई जाने वाली अधिकांश बातें कल्पना और सनसनी पर आधारित हैं।

हाल के समय में फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने इस विवाद को फिर जीवित कर दिया। फिल्म में ताजमहल को शिव मंदिर सिद्ध करने की कोशिश की गई है और 22 बंद कमरों के रहस्य को रहस्यमय ढंग से प्रस्तुत किया गया है। हालांकि इतिहासकारों का मानना है कि यह प्रस्तुति ऐतिहासिक तथ्यों की अपेक्षा कल्पनाओं और राजनीतिक विमर्श से अधिक प्रेरित है। कला और सिनेमा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है, किंतु जब इतिहास को प्रस्तुत किया जाए तो तथ्यात्मक जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक हो जाती है।

ताजमहल केवल एक इमारत नहीं, बल्कि भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसकी वास्तुकला में भारतीय और फारसी कलात्मक परंपराओं का अद्भुत मेल दिखाई देता है। कमल जैसे भारतीय प्रतीकों का प्रयोग यह दशार्ता है कि मुगल स्थापत्य स्थानीय कला और संस्कृति से प्रभावित था। इसे किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित करना इतिहास की व्यापकता को संकुचित करना होगा।

आज ताजमहल हर वर्ष लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है और भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। प्रदूषण, अम्ल वर्षा, यमुना के घटते जलस्तर और पर्यावरणीय क्षति जैसी चुनौतियाँ पहले से ही इसके संरक्षण के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। ऐसे समय में तथ्यहीन विवादों से अधिक आवश्यकता इस विश्व धरोहर के संरक्षण और संवर्धन की है।

अंततः ताजमहल इतिहास, कला और मानवीय संवेदनाओं की अमर कृति है। इतिहास का मूल्यांकन प्रमाणों और शोध के आधार पर होना चाहिए, न कि अफवाहों और राजनीतिक आग्रहों के आधार पर। मिथकों और विवादों से ऊपर उठकर हमें इस धरोहर को भारत की सांस्कृतिक एकता और साझा विरासत के प्रतीक के रूप में देखना चाहिए। यही दृष्टिकोण इतिहास के प्रति जिम्मेदार और भविष्य के प्रति सजग समाज की पहचान है।

साधारण जीवन के असाधारण अर्थ: जब आदतें बन जाएँ राष्ट्रधर्म

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज पर जब अस्थिरता और संघर्ष की परछाइयाँ लगातार घनी होती जा रही हैं, तब ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता अब सिर्फ अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं रह गया, बल्कि देशों के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे रणनीतिक मार्ग को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की रीढ़ डगमगा गई है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश इस दबाव को विशेष रूप से झेल रहे हैं। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा आह्वान केवल एक सरकारी संदेश नहीं, बल्कि पूरे समाज को सचेत करने वाली गूंज है, जो यह स्पष्ट करता है कि आने वाले समय की दिशा केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और अनुशासन से तय होगी। अब समय केवल संसाधन बचाने का नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने का संकेत दे रहा है। प्रधानमंत्री का यह संदेश साफ करता है कि आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कामकाज और आदतों में बदलाव जरूरी होगा। वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना, बैठकों को डिजिटल माध्यम तक सीमित रखना और अनावश्यक यात्राओं से बचना सीधे ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने का प्रयास है। जो काम बिना सफर के हो सकते हैं, वे अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित का विषय हैं। यह सोच बताती है कि आधुनिकता केवल तेज रफ्तार में नहीं, बल्कि समझदारी भरे निर्णयों में भी दिखाई देती है। जब करोड़ों लोग अपनी आदतें बदलते हैं, तो उसका असर दुनिया के बाजारों और ऊर्जा संतुलन तक महसूस होता है। शहरों की सड़कों पर दौड़ती वाहनों की लंबी कतारें अब केवल भीड़ का दृश्य नहीं, बल्कि बढ़ती ईंधन निर्भरता की चेतावनी बन चुकी हैं। ऐसे समय में कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को अपनाने का संदेश साधारण सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी को मजबूत करने वाला कदम है। जब कई लोग एक ही वाहन से सफर करते हैं, तो सिर्फ पेट्रोल की बचत नहीं होती, बल्कि धुआँ और ट्रैफिक का दबाव भी कम होता है। सड़कों की रफ्तार संतुलित होती है, प्रदूषण घटता है और समय की बबार्दी भी कम होती है। यह बदलाव उस नई नागरिक सोच की ओर इशारा करता है, जहाँ व्यक्तिगत आराम से ऊपर

सामूहिक हित और पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व दिया जा रहा है। देश की अर्थव्यवस्था पर सबसे गहरा असर उन आदतों का पड़ता है, जिन्हें समाज वर्षों से समृद्धि का प्रतीक मानता आया है। सोना भी ऐसी ही परंपरा है, जिसने भारतीय मानसिकता में सुरक्षा, प्रतिष्ठा और गौरव का स्थान बना रखा है। लेकिन जब यही आकर्षण विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ाने लगे, तब सोच बदलना जरूरी हो जाता है। एक वर्ष तक अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपील केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है। यह विचार बताता है कि असली समृद्धि तिजोरियों की चमक में नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता में बसती है। जब व्यक्तिगत प्रदर्शन और पुरानी परंपराएँ राष्ट्रीय हितों पर बोझ बनने लगें, तब संयम सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म बन जाता है। आज आर्थिक मजबूती केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की उपभोग आदतों से भी तय हो रही है। विदेशी यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और आयातित वस्तुओं पर बढ़ता खर्च अब निजी पसंद से आगे बढ़कर राष्ट्रीय संसाधनों पर असर डालने लगा है। ऐसे समय में विदेशी निर्भरता घटाने और स्थानीय विकल्प अपनाने का संदेश महत्वपूर्ण हो जाता है। 'लोकल फॉर वोकल' अब केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की मजबूत रणनीति बन चुका है। जब लोग देश के उत्पादों, उद्योगों और पर्यटन को प्राथमिकता देते हैं, तो विदेशी मुद्रा बचने के साथ स्थानीय बाजार, रोजगार और उत्पादन को भी नई गति मिलती है। यही सोच आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बन सकती है। राष्ट्र पर आने वाले बड़े संकट अक्सर युद्धभूमि में नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की आदतों में जीते या हारे जाते हैं। यही कारण है कि इस आह्वान में रसोई के तेल से लेकर खेतों में उर्वरकों के उपयोग तक, हर छोटी बात को राष्ट्रीय जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। संदेश स्पष्ट है कि केवल सरकारी नीतियाँ नहीं, बल्कि नागरिकों का अनुशासन भी देश की ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा तय करता है। जब हर घर बचत को संस्कार और संयम को कर्तव्य बना लेता है, तब उसका प्रभाव पूरे राष्ट्र की स्थिरता पर दिखाई देता है। यह सोच आम नागरिक को मात्र उपभोक्ता नहीं, बल्कि संसाधनों का सजग प्रहरी बना देती है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और विरोध के शोर के बावजूद इस आह्वान की गंभीरता कम नहीं होती। सरकार का कहना है कि फिलहाल ऊर्जा भंडार पर्याप्त हैं, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं को अनदेखा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। यही कारण है कि यह पहल भय नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी मजबूत करने के उद्देश्य से लाई गई है। इस सोच में नागरिकों को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी माना गया है। यह मॉडल बताता है कि किसी देश की वास्तविक ताकत केवल सरकारों में नहीं, बल्कि जनता की सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता में छिपी होती है। संकट के समय किसी राष्ट्र की पहचान उसके संसाधनों से नहीं, बल्कि नागरिकों की जागरूकता और अनुशासन से होती है। यही आह्वान केवल बचत का संदेश नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की नई सोच है। वर्क फ्रॉम होम, कार पूलिंग, सोने पर संयम और स्थानीय उत्पाद अपनाने जैसे कदम देश को बाहरी झटकों के सामने मजबूत बनाते हैं। यह तेल संकट से निपटने की तैयारी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता राष्ट्रीय संकल्प है। जब व्यक्तिगत सुविधाओं से ऊपर राष्ट्रहित को महत्व मिलता है, तभी वास्तविक बदलाव जन्म लेते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भंडार पर्याप्त हैं, लेकिन भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए यह जन-आंदोलन आवश्यक है। इतिहास में वही देश मजबूत बनते हैं, जो संकट को परिवर्तन का अवसर बना लेते हैं।

जनसुनवाई समाधान पोर्टल पर जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु अधिकारियों के साथ की गयी बैठक

आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप ससमय किया जाये-सुनिश्चितः जिलाधिकारी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में असंतुष्ट फीडबैक पाये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता जल निगम, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, ए0डी0ओ0 समाज कल्याण के वेतन रोकने के दिये निर्देश जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ ही अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के उपस्थिति में बैठक की गयी। बैठक के दौरान

शिकायतों में अत्यधिक संखया में असंतुष्ट फीडबैक पाये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता जल निगम, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, ए0डी0ओ0 समाज कल्याण विभाग के पॉच ए0डी0ओ0 के वेतन भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि जनता दर्शन, तहसील दिवस, आई0जी0आर0एस0, थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाये, जिससे कि जन मानस की समस्याओं का ससमय निस्तारण हो सकें। उन्होंने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायातों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारी स्थल पर जाकर शिकायतकर्ता का फीडबैक प्राप्त करते हुए शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करें, निस्तारण के दौरान स्थल पर कार्यवाही सम्बन्धी जी0पी0एस0 फोटोग्राफ्स अपलोड करना सुनिश्चित करें, सम्बन्धित अधिकारी प्रतिदिन आई0जी0आर0एस0 पोर्टल को लागिन करते हुए प्राप्त होने वाली शिकायतों का फीडबैक भी प्राप्त करते रहें और प्राप्त शिकायतों का निस्तारण भी ससमय कराना सुनिश्चित करें, अंतिम दिवस में शिकायतों के निस्तारण करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, उप जिलाधिकारी सदर अश्वनी कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी पी0के0 राय, जिला विकास अधिकारी हेमेन्त कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

कैलाश अस्पताल में हुआ फायर मॉकड्रिल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित कैलाश अस्पताल एवं हृदय संस्थान में अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पुलिस फायर डिपार्टमेन्ट के साथ फायर मॉकड्रिल किया गया। जिसमें अस्पताल प्रशासन, फायर सेफ्टी टीम, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। उत्तर प्रदेश के फायर डिपार्टमेन्ट के सीनियर अधिकारी देवेन्द्र और उनकी टीम द्वारा आग बुझाने वाले उपकरणों के सही उपयोग, आपातकालीन निकासी मार्गों तथा प्राथमिक सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर डा. सारिका चन्द्रा (चिकित्सा अधीक्षक) ने कहा कि मरीजों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना तथा कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों के प्रति प्रशिक्षित करना रहा। भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से किए जाते रहेंगे। डा. सारिका चन्द्रा ने चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

पिकअप के केविन में खड़ी किशोरी की लोहे के बैरियर से टकराकर हुई मौत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव निवासी एक किशोरी की शादी समारोह से लौटते समय पिकअप वाहन के केविन में खड़ी होने के कारण मेजा ददरी बांध पर बडे वाहनों को प्रवेश से रोकने के लिये लगे लोहे के बैरियर से टकराकर मौत हो गई हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव निवासी कुछ लोग परिवार सहित सोनभद्र जनपद के घोरावल क्षेत्र में आयोजित एक रिस्तेदार के यहाँ शादी समारोह में शामिल होने गए थे समारोह संपन्न होने के बाद सभी लोग पिकअप वाहन से वापस अपने घर लौट रहे थे पिकअप वाहन जैसे ही मेजा ददरी बांध के पास पहुंचा उसी दौरान पिकअप में खड़ी 16 वर्षीय रुखसाना बांध का दृश्य देखने लगी तभी बांध स्थित सड़क पर बने लोहे के बैरियर की चपेट में आ गयी जिससे सिर में गंभीर चोट लग गई अचानक हुए हादसे से वाहन में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई परिजनो ने तत्काल घायल किशोरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर गए जहां उपस्थित डॉक्टर आलोक सिंह यादव ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल किशोरी की गंभीर स्थिति को देखते हुए ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया परिजन एम्बुलेंस से लेकर मिजार्पुर जा रहे थे लेकिन रास्ते में उसकी स्थिति और बिगड़ने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज ले गए जहां चिकित्सक ने जांच के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया किशोरी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया मां बूटी देवी तथा पिता जगबली का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है मृत किशोरी चार बहन दो भाइयों में पांचवें नंबर पर थी इस संबंध में प्रभारी थाना अध्यक्ष श्यामलाल ने बताया कि दुर्घटना में कुशियरा गांव निवासी रुखसाना की गंभीर रूप से घायल होने पर मौत हो गई थी परिजनों ने स्वेच्छा से बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया।

जनता फ्लैट्स की बदहाली पर शालिनी सिंह ने उठाई आवाज, एनसीएफ ने प्राधिकरण से की त्वरित कार्रवाई की मांग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने आज अपनी टीम के साथ नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित जनता फ्लैट्स का स्थलीय निरीक्षण किया। यह दौरा उन स्थानीय निवासियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद किया गया, जो पिछले कई वर्षों से अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर संबंधित प्राधिकरणों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिल पाया है। निवासियों ने फोरम से संपर्क कर अपनी समस्याओं को उठाने और उन्हें मजबूती से प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की थी, जिसके संज्ञान में लेते हुए शालिनी सिंह स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और 'वर्ल्ड क्लास सिटीह्व नोएडा के दावों के बीच जनता फ्लैट्स की वास्तविक स्थिति का

जायजा लिया तथा एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की। इस दौरान शालिनी सिंह ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर नोएडा को 'वर्ल्ड क्लास सिटी' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वहीं दूसरी ओर जनता फ्लैट्स में रहने वाले लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से इन निवासियों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि यहां रहने वाले नागरिकों को भी जान-माल की सुरक्षा का पूरा अधिकार है, इसलिए नोएडा प्राधिकरण को चाहिए कि वह इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। शालिनी सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो नोएडा सिटीजन फोरम और स्थानीय निवासी मिलकर इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाने के लिए बाध्य होंगे, ताकि जनता फ्लैट्स में रहने वाले लोगों को उनका हक और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से करें कामः शशिकांत पटेल

सदस्यता अभियान तेज करने का कार्यकताओं से किया आह्वान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मीरजापुर। अपना दल एस पार्टी हाईकमान के निदेर्शानुसार मंगलवार को अपना दल एस कार्यकताओं की बैठक प्रदेश सचिव शशिकांत सिंह पटेल के नेतृत्व में संपन्न हुई बैठक में संगठन की मजबूती,बूथ स्तर पर कार्यकताओं की नियुक्ति तथा सदस्यता अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष गुलाब बहादुर पटेल ने कहा कि किसी भी संगठन या पार्टी की मजबूती उसके कार्यकताओं पर निर्भर करती है कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं और उन्हीं के बल पर पार्टी आगे बढ़ती है उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने तथा महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जिला सचिव विकास सोनकर ने कहा कि अपना दल एस एवं भाजपा गठबंधन के नेतृत्व में प्रदेश और देश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं जो विकास पूर्ववर्ती सरकारों में लंबे समय तक नहीं हो सका,वह आज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में संभव हो रहा है उन्होंने कार्यकताओं से पूरी लगन और समर्पण भाव से पार्टी के लिए कार्य करने का आह्वान किया प्रदेश सचिव शशिकांत सिंह पटेल ने कहा कि पार्टी की नीतियां गांव,गरीब,किसान और पिछड़ों के उत्थान को समर्पित हैं। उन्होंने कार्यकताओं से अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा सदस्यता अभियान को गति देने की अपील की कहा कि संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी उतनी ही मजबूती के साथ जनता की आवाज बनकर कार्य करेगी इस मौके पर सतीश कुमार, उमेश कुमार सिंह, रघुनंदन विश्वकर्मा, शिवशंकर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखण्ड हिन्दू राष्ट्र सम्मेलन का भव्य आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

आगरा। अखिल भारत हिन्दू महासभा आगरा जिला ईकाई द्वारा संजय प्लेस स्थित यूथ हॉस्टल के सभागार में अखण्ड हिन्दू राष्ट्र सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मुन्ना कुमार शर्मा उपस्थित रहे। सम्मेलन में उपस्थित सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए डॉ मुन्ना कुमार शर्मा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भारत को संवैधानिक रूप से हिन्दू राष्ट्र घोषित करने, देश में एक समान नागरिक कानून लागू करने, गौमाता की हत्या पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाने, मजबूत जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने और टेंपल एक्ट को समाप्त करने की मांग की है। उन्होंने लव जेहाद, लैंड जेहाद करनेवालों को उचित सजा देने के लिए एक मजबूत कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश में हिन्दू संतों, गौरक्षकों, हिन्दूवादी संगठनों के प्रतिनिधियों को पूर्ण सुरक्षा दी जानी चाहिए। डॉ शर्मा ने केंद्र सरकार से भारत के रक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने और भारतीय सेना के आधुनिकीकरण करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अखिल भारत हिन्दू महासभा भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से पूरे देश में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राजनीति का हिन्दूकरण और हिंदुओं का सैनिकीकरण राष्ट्रीय आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थितजनों और देशवासियों का आह्वान किया कि हमें भारत को पुनः विश्वगुरु बनाना है। हमें हिन्दू समाज में फैले जातिभेद को समाप्त कर हिन्दू एकता स्थापित करनी है। सम्मेलन के पश्चात उन्होंने अखिल भारत हिन्दू महासभा आगरा जिला कार्यालय का उद्घाटन किया एवं मीडिया को संबोधित किया।

अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना कोई अपराध नहींः अशोक भाटी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। करप्शन फ्री इंडिया के संयोजक प्रवीण भारतीय द्वारा प्राइवेट स्कूलों एवं प्राइवेट अस्पतालों की कथित खुली लूट, जिला प्रशासन की मिलीभगत, भूजल दोहन, बिल्डरों की मनमानी, किसानों के भविष्य से जुड़ी चिंताओं एवं अन्य जनसमस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रहे कार्यकताओं को जबरन पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने की भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर अशोक भाटी ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि वार्ता के दौरान सहमति नहीं बनने पर शांतिपूर्ण तरीके से धरने पर बैठे कार्यकताओं को गिरफ्तार कर जेल भेजना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। आंदोलन को इस प्रकार दबाया नहीं जा सकता। अपनी मांगों को रखना और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है। अशोक भाटी ने कहा कि गांव एवं क्षेत्रीय किसानों के साथ हो रहे

अन्याय के खिलाफ आवाज लगातार उठाई जाती रहेगी और उसे किसी भी प्रकार दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गिरफ्तार किए गए सभी कार्यकताओं को बिना शर्त तत्काल रिहा किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों एवं प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और दमनात्मक कार्रवाई जारी रही, तो गौतम बुद्ध नगर में किसानों और आम जनता का आक्रोश किसी भी रुप में सामने आ सकता है। भाकियू इस प्रकार की तानाशाही को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती, 80 करोड़ की जमीन करायी कब्जा मुक्त

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुधनगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र भनौता की लगभग 40 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया, जिसकी कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये होने का आकलन है। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर भूलेख और परियोजना विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की है। परियोजना विभाग के वर्क सर्किल दो की तरफ से यह कार्रवाई की गई है। कॉलोनाइजर यहां प्लॉटिंग करने की कोशिश कर रहे थे। ग्रेनो प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने चेतावनी दी, कि अधिसूचित एरिया में अनुमति के बिना या फिर नक्शा पास कराए बिना अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसीईओ ने जनमानस से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में

अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि ग्राम भनौता के खसरा संख्या -135 की जमीन पर कॉलोनाइजर प्लॉटिंग की कोशिश कर रहे थे। यह प्राधिकरण की अर्जित एवं अधिसूचित भूमि है। प्राधिकरण के वर्क सर्किल 2 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रदीप यादव के नेतृत्व में सहायक प्रबंधक मनोज चौधरी व प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों ने मंगलवार को यह कार्रवाई की। कार्रवाई लगभग दो घंटे चली। अधिकारियों ने दोबारा निर्माण करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

प्रमाणपत्रों के अभाव में नहीं हो पा रहा बच्चों का नामांकन

घर-घर संपर्क कर अभिभावकों को जागरूक कर रहे शिक्षक

हलिया/मीरजापुर (स्वास्तिक सहारा)। परिषदीय विद्यालयों में नए सत्र के नामांकन अभियान के दौरान शिक्षा के प्रति अभिभावकों की उदासीनता सामने आ रही है विकासखंड हलिया के ग्राम पंचायत बरौधा स्थित प्राथमिक विद्यालय में अध्यापकों की लगातार मशक्कत के बावजूद कई बच्चों का नामांकन आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में नहीं हो पा रहा है यह स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी को उजागर कर रही है विद्यालय के शिक्षक घर–घर जाकर बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय में नामांकन के लिए प्रेरित कर रहे हैं लेकिन कई परिवारों के पास बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र आधार कार्ड उपलब्ध नहीं है ऐसे में नामांकन प्रक्रिया बाधित हो रही है प्राथमिक विद्यालय बरौधा द्वितीय के प्रधानाध्यापक जय प्रकाश ने बताया कि संपर्क अभियान के दौरान रागिनी पुत्री राजेश 7 वर्ष चंदन पुत्र राजेंद्र 6 वर्ष,अंजना पुत्री राजेंद्र 6 वर्ष, मोनू पुत्री लालजी,काजल पुत्री लालजी,नन्हकी, सोनिया पुत्री टेढ़ई तथा वंदना पुत्री बुद्धू समेत कई बच्चों के अभिभावकों के पास कोई आवश्यक प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं मिला न तो बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र बनवाया गया है और न ही आधार कार्ड तैयार कराया गया है प्रधानाध्यापक ने अभिभावकों को बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र और आधार कार्ड बनवाने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति के विकास और बेहतर भविष्य का आधार है उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और अभिभावकों को चाहिए कि जैसे ही बच्चा स्कूल जाने योग्य हो,उसका तत्काल विद्यालय में नामांकन कराएं उन्होंने ग्रामीणों से बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक होने और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील किया है।

वाराणसी जंक्शन रनिंग रूम का तिमाही निरीक्षण, महिला कर्मचारियों के लिए आधुनिक विश्राम कक्ष का उद्घाटन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर रेलवे के अंतर्गत वाराणसी जंक्शन स्थित रनिंग रूम का मंगलवार को तिमाही निरीक्षण किया गया। निरीक्षण बृजेश कुमार यादव और अर्पित गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान रनिंग रूम में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, खानपान व्यवस्था और कर्मचारियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रनिंग रूम की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया और वहां ठहरने वाले लोको पायलटों तथा गार्डों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। शिकायत पुस्तिका में दर्ज समस्याओं को गंभीरता से देखते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कमरों के आवंटन की प्रक्रिया

और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध मूलभूत व्यवस्थाओं की भी जांच की गई ।इस अवसर पर महिला लोको पायलट और महिला गार्डों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए तीन नए विश्राम कक्षों का उद्घाटन भी किया गया। खास बात यह रही कि इन विश्राम कक्षों का उद्घाटन महिला लोको पायलटों के हाथों कराया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि महिला कर्मचारियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन कमरों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, ताकि उन्हें बेहतर और सुरक्षित कार्य वातावरण मिल सके ।निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक और स्टेशन निदेशक ने रनिंग रूम में मौजूद लोको पायलटों और गार्डों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। कर्मचारियों ने खानपान, विश्राम व्यवस्था और अन्य सुविधाओं से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि कर्मचारियों की सुविधा और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए लगातार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ।निरीक्षण में अधिकारियों को कुछ कमियां भी मिलीं, जिस पर संबंधित पर्यवेक्षकों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि रेलवे कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, ताकि वे सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण में अपनी सेवाएं दे सकें ।इस दौरान मंडल विद्युत अभियंता चिराग, सहायक दूरसंचार अभियंता भसुली प्रसाद, सहायक मंडल अभियंता राजित राम, सहायक विद्युत अभियंता संकल्प उपाध्याय सहित कई अन्य पर्यवेक्षक और रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुष आपके द्वार अभियान के अंतर्गत खजुरहट में लगा आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

अयोध्या। आयुष मंत्रालय भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजना आयुष आपके द्वार के अंतर्गत जनपद अयोध्या के समूह-1 पंचायत भवन खजुरहट में एक विशाल आयुर्वेद आउटरीच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंह विष्णु के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। शिविर का उद्देश्य जनसामान्य को आयुर्वेद एवं योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। शिविर में नागरिकों की सुविधा हेतु दो अलग-अलग स्वास्थ्य काउंटर स्थापित किए गए थे। प्रथम काउंटर पर बाल एवं युवा स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श एवं जांच की व्यवस्था की गई, जहां बच्चों एवं युवाओं को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर बनाए रखने के उपाय बताए गए। दूसरे काउंटर पर वृद्धजन स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत बुजुर्गों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में कुल 250 से अधिक लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया, जिनमें लगभग 73 वृद्धजन शामिल रहे। उन्हें वात रोग, जोड़ों के दर्द, कमजोरी एवं अन्य आयुजनित समस्याओं के लिए निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गईं। शिविर में केवल उपचार ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्रकृति परीक्षण कर लोगों को उनके शरीर की प्रकृति वात, पित्त एवं कफ के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. राहुल कुमार सिंह, डॉ. धर्मेंद्र कुमार वर्मा एवं डॉ. कविता निगम ने उपस्थित लोगों को ऋतुचर्या, संतुलित आहार एवं दिनचर्या के महत्व के बारे में विस्तार से बताया।

मधुबन बापूधाम योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण शुरू

बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक सुविधाएं और हरित वातावरण के साथ मिलेगा नियोजित आवासीय क्षेत्र

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। शहरवासियों के अपने घर के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने मधुबन बापूधाम योजना के अंतर्गत विकसित आवासीय भूखण्डों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। यह योजना उन नागरिकों के लिए सुनहरा अवसर मानी जा रही है जो आधुनिक सुविधाओं, सुव्यवस्थित विकास और सुरक्षित आवासीय वातावरण में अपना घर बसाना चाहते हैं। प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई यह पहल केवल भूमि आवंटन तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर में नियोजित शहरी विकास को बढ़ावा देने और नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली उपलब्ध कराने का प्रयास भी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच संगठित और योजनाबद्ध आवासीय क्षेत्रों की आवश्यकता को देखते हुए मधुबन बापूधाम योजना को विशेष रूप से विकसित किया गया है। योजना के पॉकेट ई और एफ में विभिन्न श्रेणियों के आवासीय भूखण्ड उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें 40 वर्गमीटर से लेकर 200 वर्गमीटर तक के कुल 350 से अधिक भूखण्ड शामिल हैं। सभी भूखण्डों का आवंटन पूर्णतः पारदर्शी ऑनलाइन पंजीकरण और कंप्यूटरीकृत लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात की संभावना समाप्त हो सके। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 मई 2026 से प्रारम्भ होकर 25 मई 2026 तक संचालित रहेगी। इच्छुक आवेदक प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट एवं जनहित पोर्टल के माध्यम से घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। डिजिटल प्रक्रिया अपनाने से नागरिकों को लंबी कतारों और कार्यालयी प्रक्रियाओं से राहत मिलेगी तथा पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। प्राधिकरण ने भूखण्डों की दर 35,000 रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की है, जो मौजूदा बाजार परिस्थितियों को देखते हुए प्रतिस्पर्धात्मक मानी जा रही है। योजना में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शासनादेश के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आरक्षण और विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं। इससे सामाजिक समावेशन को बढ़ावा

मिलने की उम्मीद है। पंजीकरण प्रक्रिया को जनहित के अनुरूप सरल बनाया गया है। सामान्य श्रेणी के आवेदकों को कुल लागत का 10 प्रतिशत तथा आरक्षित श्रेणी के आवेदकों को केवल 5 प्रतिशत पंजीकरण धनराशि जमा करनी होगी। इसके अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान करने वाले आवंटियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार 4 से 6 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी प्रदान किया जाएगा, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी। मधुबन बापूधाम योजना गाजियाबाद की प्रमुख आवासीय योजनाओं में शामिल है, जहां भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधारभूत ढांचे का विकास किया जा रहा है। योजना क्षेत्र में चौड़ी सड़कें, बेहतर यातायात संपर्क, पार्क एवं हरित क्षेत्र, जल आपूर्ति व्यवस्था, सीवरेज सिस्टम, विद्युत व्यवस्था तथा सार्वजनिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि नियोजित कॉलोनियों के विकास से अनियंत्रित शहरी विस्तार पर रोक लगती है और नागरिकों को सुरक्षित तथा स्वच्छ वातावरण मिलता है। जनहित के दृष्टिकोण से यह योजना विशेष महत्व रखती है। लगातार बढ़ती आबादी और महंगे होते निजी आवासीय विकल्पों के बीच सरकारी विकास प्राधिकरण द्वारा योजनाबद्ध भूखण्ड उपलब्ध कराना आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है। इससे न केवल लोगों को किफायती दरों पर आवासीय विकल्प मिलेंगे, बल्कि शहर का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इस योजना का उद्देश्य केवल प्लॉट आवंटित करना नहीं, बल्कि नागरिकों को सुरक्षित, व्यवस्थित और आधुनिक जीवनशैली उपलब्ध कराना है। योजना क्षेत्र को भविष्य के स्मार्ट शहरी ढांचे के अनुरूप विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र एक आदर्श आवासीय परिसर के रूप में स्थापित हो सके। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर ऑनलाइन पंजीकरण कर इस अवसर का लाभ उठाएं। अधिकारियों ने कहा कि समय पर आवेदन करने से अधिक से अधिक लोगों को योजना में भागीदारी का अवसर मिलेगा और पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के माध्यम से पात्र आवेदकों को भूखण्ड आवंटित किए जाएंगे। शहर में बढ़ती आवासीय जरूरतों के बीच मधुबन बापूधाम योजना आम नागरिकों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई है। अपने घर का सपना देखने वाले हजारों परिवारों के लिए यह योजना केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य, स्थिर जीवन और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

अंश निर्धारण कार्य में तेजी लाने हेतु जिलाधिकारी ने चलाया विशेष अभियान

12 से 16 मई तक ग्रामवार अभियान चलाकर खतौनी में अंश निर्धारण पूर्ण करने के जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि जनपद के ग्राम पंचायतों में अंश निर्धारण हेतु अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में 12 मई से 16 मई, 2026 तक पांच दिवसीय विशेष अंश निर्धारण अभियान चलाकर ग्रामवार खातेदार एवं सहखातेदारों की खतौनी में अंश निर्धारण कार्य को तेजी से पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक तहसील स्तर पर सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार कर क्षेत्रीय लेखपालों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाएं तथा लगातार मॉनिटरिंग करते हुए लक्ष्य की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंश निर्धारण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी, अंश निर्धारण के कार्य में शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी, उन्होने यह भी निर्देश दिए है कि सभी क्षेत्रीय लेखपाल ग्रामवार कार्य योजना तैयार कर अपनी प्रगति प्रत्येक दिन तीन घंटे के अंतराल पर गूगल शीट में अनिवार्य रूप से अंकित करेंगे, जिससे कार्यों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी निगरानी की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के माध्यम से लंबित अंश निर्धारण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राजस्व अभिलेखों को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जाएगा, जिससे आमजन को राजस्व संबंधी कार्यों में सहूलियत प्राप्त होगी। आज अंश निर्धारण अभियान के प्रथम दिवस में सांय 04:00 बजे तक तहसील रावर्टसगंज में 490, तहसील घोरावल में 489, तहसील ओबरा 304, तहसील दुद्धी 1528 अंश निर्धारण की कार्यवाही की गयी, जनपद में कुल 2811 अंश निर्धारण किये गये है।

साइबर ब्लैकमेलिंग गैंग का पदार्फाश, 5 आरोपी गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए धन उगाही, साइबर उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग कर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। संयुक्त पुलिस टीम ने राजस्थान से पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और नगदी बरामद की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल ने बताया मामला रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र का है, जहां मृतक राजेंद्र पाठक की पत्नी अंकिता पाठक ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर बताया कि उनके पति को लगातार धमकी देकर पैसों की मांग की जा रही थी। जांच में सामने आया कि साइबर ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर राजेंद्र पाठक ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर साइबर थाना, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त जांच शुरू की। तकनीकी जांच में पता चला कि आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर पुलिस और आर्मी अधिकारियों की फोटो लगाई जाती थी। इसके बाद अकतकनीक से अश्लील वीडियो तैयार कर लोगों को डराकर धन उगाही की जाती थी। जांच के दौरान वीडियो कॉल राजस्थान के अलवर क्षेत्र से होना पाया गया, जबकि धनराशि महाराष्ट्र के बैंक खातों में भेजी गई थी और भिवाड़ी क्षेत्र से निकाली गई। पुलिस टीम ने राजस्थान पहुंचकर स्थानीय पुलिस की मदद से सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में धन उगाही करने वाले, बैंक खातों की व्यवस्था करने वाले और एटीएम से रकम निकालने वाले आरोपी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन, दो म्यूल अकाउंट के एटीएम कार्ड तथा नगदी बरामद की है। अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और लोगों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सऊदी अरब में नौकरी का सुनहरा अवसर, सेवायोजन कार्यालय ने जारी कीं विदेशी रोजगार की बड़ी भर्तियां

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। विदेश में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की पहल के तहत जिला सेवायोजन कार्यालय ने सऊदी अरब में कार्य करने के लिए विभिन्न पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। तकनीकी और गैर तकनीकी क्षेत्रों में बड़े स्तर पर रिक्तियां जारी की गई हैं, जिनके माध्यम से अनुभवी युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन विभाग के रोजगार संगम पोर्टल पर निःशुल्क ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों के पास मैकेनिकल कार्य, वेल्डिंग, फैब्रिकेशन, स्ट्रक्चरल निर्माण, तकनीशियन सहित संबंधित क्षेत्रों में कार्य अनुभव होना अनिवार्य किया गया है। जिला सेवायोजन अधिकारी दिव्या त्रिपाठी ने बताया कि विदेश रोजगार के लिए आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर स्वयं को रोजगार खोजने वाले के रूप में पंजीकृत करना आवश्यक है। पंजीकरण के बाद अभ्यर्थी अपनी योग्यता, अनुभव और रुचि के अनुसार उपलब्ध रिक्तियों का चयन कर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को सऊदी अरब की संबंधित कंपनी द्वारा वीजा, हवाई यात्रा, आवास तथा चिकित्सा बीमा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नियुक्ति दो वर्ष के अनुबंध के आधार पर होगी, जिसमें निर्धारित नियमों के अनुसार सेवा प्रदान करनी होगी। सेवायोजन विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार फैब्रिकेशन सुपरवाइजर के पांच पदों पर लगभग 99 हजार रुपये मासिक वेतन निर्धारित किया गया है, जिसकी आयु सीमा 30 से 48 वर्ष रखी गई है। सीएस वेल्डर (टीआईजी एवं आर्क) पद के लिए 24 से 35 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थियों को लगभग 62 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। मैकेनिकल तकनीशियन के आठ पदों पर लगभग 60 हजार रुपये मासिक वेतन निर्धारित किया गया है, जबकि फैब्रिकेटर फोरमैन के पांच पदों के लिए लगभग 58 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन तय किया गया है। मैकेनिकल फिटर के 15 पदों पर लगभग 58 हजार रुपये तथा पाइप फैब्रिकेटर के 15 पदों के लिए करीब 43 हजार रुपये मासिक वेतन निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार स्ट्रक्चरल फैब्रिकेटर के आठ पदों के लिए लगभग 42 हजार रुपये तथा मैकेनिकल हेल्पर के 20 पदों के लिए लगभग 29 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। सभी पदों के लिए अभ्यर्थियों के पास पांच से 15 वर्ष तक का संबंधित कार्य अनुभव होना आवश्यक बताया गया है। जिला सेवायोजन अधिकारी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि विदेश रोजगार से जुड़ी इस महत्वपूर्ण अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा केवल आधिकारिक रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवायोजन कार्यालय द्वारा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निःशुल्क रखी गई है, जिससे योग्य युवाओं को सुरक्षित एवं प्रमाणित माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशों में रोजगार प्राप्त करने से युवाओं को बेहतर आय, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और कौशल विकास का अवसर मिलेगा, जिससे प्रदेश के युवाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने के साथ-साथ रोजगार के नए आयाम भी खुलेंगे।

गरीब परिवार के होनहार बेटे वंश का नवोदय विद्यालय में चयन, किया गया सम्मानित

धीरज शर्मा

पटौदी। पटौदी परिषद के हैलीमण्डी स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में उस समय खुशी और गर्व का माहौल बन गया, जब विद्यालय के छात्र वंश का चयन प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय में होने पर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

प्रार्थना सभा के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य लोगों ने होनहार छात्र वंश को सम्मानित कर उसका उत्साहवर्धन किया। वंश एक साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंध रखता है, लेकिन कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर यह सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

बताया गया कि वंश अपनी नियमित पढ़ाई के साथ-साथ जिंगल बेल एकेडमी में भी कोचिंग लेता था। विद्यालय के शिक्षकों, जिंगल बेल एकेडमी के मार्गदर्शन, विद्यार्थी की मेहनत और माता-पिता के सहयोग से वंश ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बीईओ पटौदी श्री महेश कुमार, अध्यापिका अनिता जी, हेडमास्टर बाबूलाल, प्रभारी श्रीमती गीता जाखड़, रामरतन सहित विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने वंश को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समाजसेवी जीतू चौहान ने कहा कि आर्थिक स्थिति कभी भी प्रतिभा के रास्ते में बाधा नहीं बन सकती। यदि बच्चे में मेहनत और आगे बढ़ने का जज्बा हो तो वह हर मुश्किल को पार कर सफलता प्राप्त कर सकता है। वंश ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र और साधारण परिवार के बच्चे भी बड़े सपने पूरे कर सकते हैं। इस दौरान जीतू चौहान ने वंश को प्रोत्साहन राशि भेंट कर उसका मनोबल बढ़ाया। समारोह के दौरान वंश के नाना, माता एवं समाजसेवी जीतू चौहान भी मौजूद रहे। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ वंश और उसके परिवार का स्वागत किया तथा इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। विद्यालय परिवार ने कहा कि वंश की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर डीएम सख्त

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ की तैनाती एवं जिला खनिज फाउंडेशन निधि (डीएमएफ) से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को निर्देशित करते हुए कहा कि नर्सिंग स्टाफ से जुड़ी सभी समस्याओं का जनपद स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों के समाधान के लिए शासन स्तर पर कार्रवाई आवश्यक हो, उनसे संबंधित प्रस्ताव और पत्राचार तत्काल शासन को भेजा जाए, ताकि मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके बाद जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा जिला खनिज फाउंडेशन निधि से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्देश दिया कि पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से कराई जाए। इसके अतिरिक्त अन्य निर्माण परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच के लिए अलग टीम गठित कर नियमित परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि गुणवत्ता परीक्षण के बाद ही अगली कार्यवाही की जाए तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी इंद्रभान सिंह, सीनियर माइंस ऑफिसर कमल कश्यप, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग नूर आलम सहित संबंधित निर्माण एजेंसियों के अधिशासी अभियंता मौजूद रहे।

पिपरी पुलिस की सक्रियता से घर से गए चारों नाबालिग बच्चे सकुशल बरामद, परिजनों को किया गया सुपुर्द

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र से घर से लापता हुए चार नाबालिग बच्चों को पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया। बच्चों के सुरक्षित मिलने के बाद परिवार वालों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया।

जानकारी के अनुसार, थाना पिपरी क्षेत्र के चाचा कॉलोनी वार्ड नंबर-3 निवासी नन्दु पाल ने 10 मई 2026 को थाना पिपरी में सूचना दी थी कि उसका 14 वर्षीय पुत्र आलोक कुमार पाल अपने दोस्तों रोहित कुमार (12 वर्ष), विवेक हरिजन (14 वर्ष) और अनिकेत राम (16 वर्ष) के साथ 9 मई को बिना बताए घर से कहीं चला गया है। काफी तलाश के बाद भी बच्चों का पता नहीं चलने पर परिजनों ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पिपरी में मु.अ.सं.-83/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद बच्चों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर खोजबीन शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने लगातार सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और अन्य तकनीकी माध्यमों का परीक्षण किया। इसी क्रम में मंगलवार को थाना पिपरी पुलिस ने चारों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे आपस में मित्र हैं और घूमने के उद्देश्य से बिना किसी को बताए ट्रेन से पटना चले गए थे। पुलिस ने बताया कि बच्चों के साथ किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। आवश्यक पूछताछ और विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद चारों बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के चलते बच्चों की सुरक्षित बरामदगी संभव हो सकी।

पिज्जा खाने वाले हो जाओ सावधान, नोएडा में बनाया जा रहा था थूककर पिज्जा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। अगर आप भी ढाबे में जाकर खाना खाते हैं या किसी दुकान से पिज्जा लेते हैं तो थोड़ा सावधान हो जाएं। नोएडा में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा हैं जिसमें एक व्यक्ति पिज्जा शॉप में थूककर पिज्जा तैयार करता नजर आया है। दावा किया जा रहा है कि यही पिज्जा ग्राहकों को परोसा जा रहा था, जिससे हड़कंप मच गया। वही वीडियो वायरल होने के बाद इलाके के लोगों में गुस्सा भड़क गया। उन्होंने इसे ग्राहकों की भावनाओं और सेहत से खिलवाड़ करार देते हुए सख्त कारवाई की मांग की। वही हिन्दू संगठनों के विरोध के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान गिझोड़ निवासी मुजम्मिल के रुप में हुयी हैं। मामला नोएडा के सेक्टर-22 स्थित चौड़ा गांव का हैं। बताते चले कि नोएडा के चौड़ा गांव में ह्यपिज्जा हटह्ल नाम से दुकान संचालित करने वाले युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हैं। जिसमें दावा किया गया कि युवक पिज्जा बेस तैयार करते समय थूक रहा था। हिंदू रक्षा दल खोड़ा के अध्यक्ष सोनू शर्मा ने बताया कि दुकान पर थूककर पिज्जा बेचने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर यह बात सही पाई गई। आरोपी को उसी काम को करते हुए पकड़ लिया गया। लोगों नें उसकी पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस कमिश्नरेट के प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-22 स्थित पिज्जा की दुकान में कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा पिज्जा बनाते समय अनुचित कृत्य किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। सूचना के संबंध में तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस द्वारा कार्रवाई की गयी हैं।

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि श्री दीपक गुप्ता एवं श्रीमती वंदना गुप्ता (जिन्हें आगे उक्त बंधककर्ता कहा जाएगा) ने नीचे अनुसूची में वर्णित संपत्ति के संबंध में मेरे मुवक्किल पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सेक्टर-63, नोएडा के पक्ष में बंधक (Mortgage) बनाने पर सहमति व्यक्त की है। स्वामी/विक्रेता श्रीमती सीमा जैन पत्नी श्री अमित जैन द्वारा यह सूचित किया गया है कि श्रीमती शालू पाहवा पत्नी श्री रमण पाहवा (पुत्री स्व. श्री एस. सी. खन्ना) द्वारा श्री जितेन्द्र खन्ना पुत्र स्व. श्री एस.सी. खन्ना के पक्ष में निष्पादित मूल त्यागपत्र (Relinquishment Deed), जो दिनांक 02.08.2018 को उप-पंजीयक कार्यालय IV-A, शाहदरा, दिल्ली में पंजीकृत हुआ था (बुक नं. I, जिल्द नं. 2775, पृष्ठ संख्या 149/157, दस्तावेज संख्या 4629), गुम/खो गया है। यह दस्तावेज संपत्ति संख्या 1/9271 (पुराना नं. 1514/1), क्षेत्रफल 93.64 वर्ग मीटर (अर्थात 112 वर्ग गज), खसरा नं. 778/371 का भाग, गली नं. 7, वेस्ट रोहताश नगर, ग्राम उल्धनपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110032 में स्थित निर्मित प्रथम तल (बिना छत अधिकार) में उनके अविभाजित हिस्से से संबंधित है। यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति या उसके किसी भाग पर विक्रय, विनिमय, बंधक (समान्य या टाइटल डीड जमा द्वारा या अन्यथा), उपहार, ट्रस्ट, उत्तराधिकार, पारिवारिक व्यवस्था, भरण-पोषण, वसीयत, साझेदारी, कब्जा, पट्टा, उप-पट्टा, किरायेदारी, लाइसेंस, ग्रहणाधिकार, भार, गिरवी, उपभोगाधिकार या किसी भी अन्य प्रकार से कोई दावा/अधिकार है, तो वह व्यक्ति अपने दावे के समर्थन में दस्तावेजों सहित इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करें। अन्यथा, ऐसा दावा त्यागा हुआ एवं निरस्त माना जाएगा और मेरे मुवक्किल उक्त संपत्ति पर ऋण वितरण एवं बंधक सृजन की कार्यवाही आगे बढ़ाएंगे।

अनुसूची (संपत्ति का विवरण) : लीजहोल्ड आवासीय निर्मित प्रथम तल (बिना छत अधिकार) संपत्ति संख्या 1/9271 (पुराना नं. 1514/1), क्षेत्रफल 93.64 वर्ग मीटर (अर्थात 112 वर्ग गज), खसरा नं. 778/371 का भाग, स्थित गली नं. 7, वेस्ट रोहताश नगर, ग्राम उल्धनपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110032।

दिवेश सिंघल (पीएनबीएचएफएल पैनल अधिवक्ता)
कार्यालयः एस.सी.-319 ग्राउंड फ्लोर पर निकट डबल वॉटर टैंक,
ब्लॉक-सी, शास्त्री नगर, गाजियाबाद (यूपी) - 201002
चेंबर नंबर 76-ए, तहसील कंपाउंड, गाजियाबाद। (मो.) : 9811834005